51 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डांक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in | यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 20.0°c अधिकतम 27.0 °c

अमृतवाणी

किसी के लिए इतना भी मत गिरो कि जिसके लिए गिरे हो, वही उठाने से इंकार कर दे।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

संस्थापक : उत्तम चंद्र शर्मा
मो. 94127-10840
सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606
रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

अखिलेश तनाव में हैं, निकाय चुनावों में उनकी पार्टी का कहीं अता पता नहीं है : केशव प्रसाद मौर्य

सूर्योदय : 5:34, सूर्यास्त : 6:57 | वर्ष : 51/ अंक : 123 | शुक्रवार, 05 मई 2023 | बैसाख, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा | सम्वत् 2080 | मूल्य 3 रुपये | पृष्ठ-4

चुनाव में तनाव तो अता-पता वालों को भी होता है.....

कम मतदान से दलदल में फंसा कमल, तेज रफ्तार से चली साइकिल

- शहर में कमल व साइकिल के बीच फंसा मुकाबला
- मुस्लिम बहुल इलाकों में जमकर चली साइकिल
- हांफते हुए उठ भी ना पाया हाथी, जेब से नहीं निकला हाथ

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। तमाम उठापटक के बाद आज कुछ जगह मुखर और कुछ जगह खामोश मतदाता के वोटिंग ट्रेंड को लेकर तमाम सवालों के बीच वोटिंग के कम प्रतिशत और कुछ स्थानों पर वोटर के अनुमान के विपरीत वोटिंग ट्रेंड ने चुनावी पंडितों के साथ प्रत्याशियों की उम्मीदों को उलझाकर रख दिया है। मतदान संपन्न होने के बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक अपनी जीत का दावा तो करते नजर आए, लेकिन उनके चेहरों पर अनजाने भय को साफ पढ़ा जा सकता था। वे मान रहे हैं कि चुनाव फंसा हुआ है और इस बार हार जीत का अंतर पांच हजार से भी कम रह सकता है। शहर के मुस्लिम वार्डों में इकतरफा साइकिल के साथ शहर के कई इलाके ऐसे थे, जहां इकतरफा भाजपा का वोटर खामोशी से अपनी वोट करता दिखाई दिया। भाजपा के तमाम दावों के बावजूद ब्राह्मण मतदाता साइकिल पर सवार नजर आया। जाट वोटर में भी केंद्रीय राज्यमंत्री का कोई खास जादू चलता नजर नहीं आया। बसपा और कांग्रेस का मैदान से पूरी तरह बाहर होना भी नतीजों के रहस्य को और बढ़ा रहा है। ऐसे में वोटर का खामोश जनादेश मत पेटियों में बंद हो गया है, लेकिन 13 मई को बक्से खुलने तक शहर के तमाम प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की धड़कनें बढ़ी रहेंगी।

वैसे तो शहर में नगर पालिका के चुनाव को लोकसभा के 2024 में होने वाले चुनाव का सेमी फाइनल माना जा रहा है। ऐसे में आज हुए मतदान के नतीजों को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। जैसा कि पहले दो चुनावों में देखा जाता रहा है, मुस्लिम वोटर उस प्रत्याशी के पक्ष में जाता है, जो भाजपा को हराने की स्थिति में हो। इस बार यह दम सपा गठबंधन प्रत्याशी ने दिखाए। मुस्लिम वोटों का दम भरने वाली बसपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के पिक्चर से बाहर होने के कारण मुस्लिम वोटर में साइकिल जमकर दौड़ी। खालापार से लेकर लद्दावाला, सूजडू, सरवट और मल्हपुरा व मदीना कॉलोनी में यही हालात दिखे। हालांकि मतदान प्रतिशत को लेकर कोई बड़ी उलटफेर होती नजर नहीं आई। कुछ बूथों को छोड़ दें तो अधिकांश में पचास प्रतिशत से कम ही वोटिंग इन इलाकों में हुआ। जिन बूथों पर मतदान अधिक हुआ वहां वार्ड प्रत्याशियों की मेहनत वोटिंग बढ़ाने में कामयाब रही, लेकिन चेयरमैन पद पर साइकिल का कोई विरोध नजर नहीं आया। हाथी सिर्फ सरवट के थोड़े से इलाके में ही दिखाई दिया। हालांकि उसे कुछ अन्य स्थानों पर बसपा की खांटी वोट बिना मेहनत किए मिलीं। दो बार चेयरमैन जिताने वाली कांग्रेस के हाथ को इस बार मजबूती का साथ नहीं मिला।

शेष खबर-पृष्ठ-4 पर

शहर के चुनाव में सबसे कम 10.18 और सबसे ज्यादा 75.23 प्रतिशत वोटों का रिकॉर्ड

पालिका में नये शामिल हुए गांवों में वोटिंग का उत्साह शहर से कहीं अधिक नजर आया

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। नगरपालिका के लिए आज हुए मतदान में जहां एक दर्जन से अधिक बूथों पर 60 प्रतिशत से भी अधिक मतदान हुआ, वहीं एक बूथ ऐसा भी है, जहां मात्र 10.18 प्रतिशत मतदाता वोट देने पहुंचे। सार्वाधिक मतदान करने वाले बूथ संख्या 27 प्राथमिक विद्यालय कक्ष संख्या-1 में 75.23 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान कर रिकार्ड बनाया। अधिक मतदान वाले दूसरे बूथों में प्राथमिक विद्यालय मीरापुर बूथ संख्या-31 में 74.68, यही पर बूथ संख्या 32 में 74.36 और प्राथमिक विद्यालय मंधेड़ा में बूथ संख्या-33 में 71.79 प्रतिशत वोट पड़े। शहर से जुड़े ग्रामीण इलाकों में मतदान का उत्साह अधिक दिखाई दिया। प्राथमिक विद्यालय सहावली बूथ संख्या-15 पर 68.37 तथा आंगनबाड़ी केन्द्र सहावली बूथ संख्या-17 पर 67.07 प्रतिशत मतदान हुआ। नन्हीं दुनिया जूनियर हाई स्कूल सुजडू बूथ संख्या-21 में 61.50 प्रतिशत वोट डाले गये। मदरसा महमूदिया सरवट के बूथ संख्या-49 पर 65.59, प्राथमिक पाठशाला गंगारामपुरा बूथ संख्या-52 पर 68.58, गर्बी प्रा.पाठशाला के बूथ संख्या-74 पर 61.74, बूथ संख्या-76 पर 62.06 व बूथ संख्या-78 पर 61.69 प्रतिशत वोट डाले गये। लार्ड महावीरा पब्लिक स्कूल कृष्णापुरी बूथ संख्या-92 में 60.10, जैन गर्ल्स प्रेमपुरी बूथ संख्या-95 में 65.50, बूथ संख्या-97 में 62.63, बूथ संख्या-98 में 68.49 प्रतिशत वोट डाले गये। उच्च प्राथमिक विद्यालय रामलीला टिल्ला के बूथ संख्या-105 में 63.84, बूथ संख्या-107 में 63.74, बूथ संख्या- 108 में 63.52, बूथ संख्या-109 में 61.47 और बूथ संख्या-110 में 69.86 प्रतिशत वोट पड़े। उच्च प्रा. वि. खांजापुर के बूथ संख्या-163 में 74.85, मदरसा महमूदिया सरवट बूथ संख्या-306ख में 72.88, प्रतिशत मत पड़े।

आज हुए मतदान में सबसे कम वोटिंग वाला बूथ मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज, मु.नगर कक्ष संख्या 5 में स्थापित बूथ संख्या 39 रहा। यहां 658 में से 67 यानी 10.18 मतदाताओं ने ही वोट डाले।

चंद्र ग्रहण आज, देशभर में कहां-कहां दिखाई देगा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसी)। सूर्य ग्रहण के बाद साल का पहला चंद्र ग्रहण वैशाख माह की पूर्णिमा तिथि को लगने जा रहा है। साल का यह पहला चंद्र ग्रहण 5 मई को लगेगा। आपको बता दें कि 15 दिनों के अंतराल पर यह साल 2023 का दूसरा ग्रहण होगा। इसके पहले 20 अप्रैल को साल का पहला सूर्य ग्रहण लगा था। इस ग्रहण को भारत में नहीं देखा जा सका था। अब बुद्ध पूर्णिमा के दिन साल का पहला चंद्रग्रहण लगेगा। यह ग्रहण एक उपच्छाया चंद्र ग्रहण होगा। जिसमें चांद की सतह पर धूल भरी आंधी के रूप में नजर आएगा। आइए जानते हैं साल के पहले चंद्र ग्रहण का समय, सूतककाल और इसे कहां-कहां पर देखा जा सकेगा। खगोल विज्ञानियों के अनुसार साल का पहला चंद्र ग्रहण यूरोप, एशिया के ज्यादातर हिस्से, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, प्रशांत,अटलांटिक,अंटार्कटिका और हिंद महासागर में दिखाई देगा। जहां तक भारत में इस चंद्र ग्रहण के दिखाई देने का मामला है तो ज्यादातर खगोल शास्त्र के जानकारों और हिंदू पंचांग की गणनाओं के आधार पर यह चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। लेकिन टाइम एंड डेट डॉट काम के अनुसार भारत के कुछ हिस्सों में इस चंद्र ग्रहण को देखा जा सकता है। साल का पहला चंद्र ग्रहण भारतीय समय के अनुसार 5 मई को रात 8 बजकर 44 मिनट से शुरू हो जाएगा। जो आधी रात को यानी 1 बजकर 1 मिनट तक चलेगा। ग्रहण का उच्चतम काल रात 10 बजकर 52 मिनट पर होगा। साल का पहला चंद्र ग्रहण उपच्छाया चंद्र ग्रहण होगा। खगोल विज्ञान के अनुसार जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है तो तब ये तीनों एक सीधी लाइन में कुछ देर के लिए आ जाते हैं। इस घटना को ही चंद्र ग्रहण कहते हैं। जब पृथ्वी की परछाई सीधी चंद्रमा पर न पड़े तो इसे उपच्छाया चंद्र ग्रहण कहते हैं। धार्मिक नजरिए से जब भी उपच्छाया चंद्रग्रहण लगता है तो इसको ग्रहण की श्रेणी में नहीं रखा जाता है ऐसे में इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। आपको बता दें कि सूर्य ग्रहण के होने पर ग्रहण शुरू होने से 12 घंटे पहले सूतक काल आरंभ हो जाता है जबकि चंद्र ग्रहण होने पर 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। सूतक काल में किसी भी तरह का शुभ काम और पूजा-पाठ नहीं किया जाता है। सूतक की समाप्ति के बाद ही सभी तरह के धार्मिक कार्य दोबारा से शुरू होते हैं।

वैश्य समाज का प्रत्याशी होते हुए भी क्यों नहीं वोटिंग के लिए निकला वैश्य मतदाता

हालांकि हिंदू और मुस्लिम इलाकों में वोटिंग प्रतिशत में है थोड़ा अंतर

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। वोट प्रतिशत को लेकर जीत हार का अनुमान लगाने वाले भी इस बार फंसे हुए हैं। शहर में कुल 50.18 प्रतिशत यानि कुल 211491 वोटरों ने अपना मतादेश दिया है। ऐसे में राजनीतिक पंडित इस बात को लेकर अनुमान लगाने में जुटे हैं कि किन इलाकों में कितना मत प्रतिशत रहा और किस इलाके में किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले। इस बात पर सब एक राय हैं कि मुकाबला भाजपा की मीनाक्षी स्वरूप और समाजवादी पार्टी गठबंधन की लवली शर्मा के बीच है। बाकी सब मुकाबले से बाहर हैं। वैश्य प्रत्याशी होने के बावजूद वैश्य वोटर की मतदान के प्रति उत्साह हीनता भाजपा के लिए चिंता विषय बनी है।

अभी तक बूथों केअधिकृत आंकडे तो नहीं आए हैं, लेकिन अभी तक जो अनुमान हैं, उससे साफ दिख रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों के साथ हिंदू बहुल क्षेत्रों में भी वोटिंग प्रतिशत एक जैसा ही रहा। कुछ बूथों पर सत्तर प्रतिशत वोटिंग को छोड़ दें तो अन्य बूथों पर वोटिंग 40 से 50 प्रतिशत के बीच घूमता रहा। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि सवा लाख मुस्लिम वोटर में पचास प्रतिशत वोटर मान लिए जाएं तो कुल साठ-पैंसठ हजार के करीब मुस्लिम वोटर ने मतदान किया है। मुस्लिम बहुल इलाकों में थोड़ा अधिक मतदान भी मान लिया जाए तो यह आंकड़ा 70 हजार होता है। इसमें बसपा और कांग्रेस मामूली विभाजन ही कर रही हैं। ऐसे में बाकी एक लाख चालीस हजार वोटरों में समाजवादी पार्टी को कितने वोट मिलते हैं, इसके अलावा ब्राह्मण अन्य समुदाय के वोटों में उसने कितनी हिस्सेदारी की, इससे लवली शर्मा और मीनाक्षी स्वरूप की जय-पराजय तय होगी। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले हिंदू बहुल इलाकों की बात करें तो गांधी कॉलोनी में वोट का प्रतिशत पचास से अधिक रहा, जबकि नई मंडी में यह पचास से काफी कम रहा। जाहिर है कि पंजाबी वोटर तमाम नाराजगी के बावजूद अधिक वोटिंग के लिए निकला तो वैश्य मतदाता वोटिंग को लेकर काफी उदासीन दिखाई दिया। यहीं भाजपा की सबसे बड़ी चिंता है। भाजपा का वैश्य उम्मीदवार और उसके लिए प्रचार में जुटे वैश्य मंत्री के बावजूद वैश्य वोटर को बूथ तक पहुंचाने में कहीं बड़ी चूक हो गई। खास बात यह है कि यहां वार्डों में भी तमाम वैश्य उम्मीदवार ही सींग भिड़ा रहे हैं। वैश्य वोटर की यह उत्साह हीनता भाजपा को मुश्किल में डाल सकती है। ऐसे में अस्सी हजार वोटों का दावा करने वाले वैश्य समाज के हाथों से आगे जीत हार की चाभी छिन जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। इस पर भाजपा के रणनीति कारों को सोचना होगा। दावा तो यह किया जा रहा है कि तीन दिन का अवकाश होने के कारण काफी भाजपा समर्थक वोटर घूमने बाहर चला गया। यह चुनाव के नतीजों को काफी हद तक प्रभावित करेगा।

खुशनुमा माहौल के बावजूद नहीं निकले मतदाता

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। मौसम विभाग की बारिश की आशंकाओं को दूर करते हुए आज दिन भर खिली धूप और हल्की ठंडी हवाओं से मौसम खुशगवार रहा। ऐसे में उम्मीद थी कि वोटर बड़े उत्साह से बाहर निकलेगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दो दिन पूर्व रिकॉर्ड बारिश के बाद मौसम विभाग ने बारिश को लेकर अनिश्चितता भरी भविष्यवाणी की थी। ऐसे में तमाम लोग इस बात को लेकर आशंकित थे कि गुरुवार को बारिश हुई तो यह वोटिंग को प्रभावित करेगा। इसके बावजूद आज मौसम काफी खुशनुमा और धूप के साथ हल्की ठंडी हवाओं वाला रहा। दिन का तापमान अधिकतम 27 डिग्री रहा। इसे काफी ठीक माना जा रहा है। ऐसे में उम्मीद थी कि इस बार जबरदस्त वोटिंग होगी। इसके बावजूद आज वोटिंग को लेकर मतदाता का टेंपरेचर डाउन रहने से प्रत्याशियों की उम्मीदें पूरी नहीं हो पाईं। सुबह की ठंडक में वोटर अधिक निकला। दोपहर बाद धूप कड़ी हुई तो फिर से वोटिंग डाउन रही।

हर बूथ पर मिला मतदाताओं का समर्थन : राकेश शर्मा

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ सपा नेता राकेश शर्मा ने कहा कि आज मैंने लगभग सभी बूथों पर निरीक्षण किया है। मु-ने ऐसा नहीं लगा कि किसी भी क्षेत्र में प्रत्याशी लवली शर्मा को जनसमर्थन ना मिला हो। जहां भी लोग मिले, सभी ने यही कहा कि गठबंधन चुनाव जीत रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। मुद्दा तो चार दिन पहले ही भगवान ने खुद दे दिया है। शहर की सड़कों पर घुटनों-घुटनों पानी था। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में गठबंधन में तीनों दलों के नेताओं ने प्रत्याशी को मजबूती से मिलकर चुनाव लड़ाया है।

जीत निश्चित है, मार्जिन भले ही कम हो: गौरव स्वरूप

मुजफ्फरनगर। भाजपा के वरिष्ठ नेता गौरव स्वरूप ने मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा प्रत्याशी मीनाक्षी स्वरूप निश्चित रूप से चुनाव जीत रही हैं। मतदाता नहीं निकला है, वोटिंग प्रतिशत कम रहा है। मतदान को लेकर कार्यकर्ता में कोई उदासीनता नहीं है। अगर देखा जाये तो ओवरओल सभी बूथों पर वोटिंग प्रतिशत कम रहा है, लेकिन हमें विश्वास है कि जिस प्रकार जनता ने हमें समर्थन जताया है और कार्यकर्ताओ ने मजबूती के साथ चुनाव लड़ाया है, इस बार पालिका में भाजपा सत्ता में लौट रही है।

हिसाब-किताब का पता नहीं, मुझे जीत की खुशबू आ रही है : बालियान

मतदान के बाद बोले केन्द्रीय मंत्री-मुजफ्फरनगर पालिका में कार्यकर्ताओं ने मजबूती से चुनाव लड़ाया

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। नगरपालिका परिषद् के चेयरमैन पद के चुनाव में आज हुए मतदान के बाद केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने पार्टी प्रत्याशी की जीत का दावा करते हुए कहा कि उनको मतदान के आंकड़ों का हिसाब किताब तो आता नहीं, लेकिन उनको इस मतदान के बाद भाजपा प्रत्याशी की जीत की खुशबू आ रही है। केन्द्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने मुजफ्फरनगर बुलेटिन से बातचीत में कहा कि जीत और हार का दावा आंकड़ों के साथ होना चाहिए। मुजफ्फरनगर में मतदाताओं की कुछ पॉकेट हैं, जो कहीं भाजपा की हैं और कहीं सपा की है। जो वोटिंग प्रतिशत सामने आया है, वो दोनों ही तरफ बराबर है और ऐसे में भाजपा शत प्रतिशत चुनाव जीत रही है। कम वोटिंग चिंता का विषय जरूर है। वोटर लिस्ट में गडबड़ी के कारण ही लोगों को परेशानी हुई है। इसमें न विपक्ष की और न ही सत्ता पक्ष की गलती है, जो लोग या अधिकारी इसमें लगे हैं उनकी गलती है। भाजपा के कार्यकर्ताओं में चुनाव को लेकर कोई उदासीनता नहीं रही है, उन्होंने मजबूती के साथ प्रत्याशी मीनाक्षी स्वरूप को चुनाव लड़ाया है। उन्होंने कहा कि काफी संख्या में लोग बाहर होने के कारण ही मतदान कम रहा है। जीत और हार के आंकड़े को लेकर डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि वो हिसाब में काफी कमजोर हैं, राजनीतिक तौर पर मु-ने तो खुशबू आती है और इस मतदान के बाद मु-ने भाजपा प्रत्याशी मीनाक्षी स्वरूप की जीत की खुशबू आ रही है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद ने कहा-लवली शर्मा की सर्वसमाज की वोट मिलने से जीत हुई पक्की

खूब चली साइकिल, बाकी सब हुए धराशायी : हरेन्द्र मलिक

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद हरेन्द्र मलिक ने कहा कि शहर चेयरमैनी के इस चुनाव में सर्वसमाज की वोट गठबंधन संयुक्त प्रत्याशी लवली शर्मा को मिली है और उनकी जीत का यही मुख्य आधार है। हरेन्द्र मलिक ने मतदान के बाद पार्टी कार्यालय पर मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि मुजफ्फरनगर की जनता ने सभी नारों को नकारकर लवली शर्मा को इंसानियत के नाम पर वोट दिया है। गठबंधन के पक्ष में मतदान कर मतदाताओं ने स्व. अजित सिंह और स्व. मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की है। कार्यकर्ता इस चुनाव में एकजुटता के साथ मुस्तैद रहे और अधिकारियों की निष्पक्षता के कारण मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। मीडिया की भूमिका भी सराहनीय रही है। मीडिया की सक्रियता के कारण ही चुनाव में गड़बड़ी नहीं हो पाई है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 13 मई को मतगणना के बाद परिणाम लवली शर्मा के पक्ष में होगा। उन्होंने कहा कि लवली शर्मा के शपथ ग्रहण के बाद पहले ही घंटे के साथ शहर के चहुंमुखी विकास के लिए बिना भेदभाव के विकास कार्य कराया जायेगा। जो क्षेत्र अभी तक किसी भी कारणवश विकास से अछूता रहा है, उनमें विकास कार्य को प्राथमिकता होगा। गठबंधन प्रत्याशी लवली शर्मा की जीत के प्रति दावा करते हुए पूर्व सांसद हरेन्द्र मलिक ने आंकड़ों के सहारे कहा कि जहां पर जिस दल के पक्ष में 80 प्रतिशत होता था, वहां पर कम वोटिंग हुई और जहां पर जहां 55 प्रतिशत तक मतदान होता था, वहां पर 60 प्रतिशत तक मतदान हुआ है। लवली शर्मा को मण्डी और गांधी कालौनी से भी मतदाताओं ने अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हम जीत का आंकलन बता सकते हैं, करीब 20 हजार वोटों के अंतर से जीतेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुजफ्फरनगर पालिका की चेयरमैनी में गठबंधन चुनाव जीत रहा है।

जमकर बरसे वोट... सपा से पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी की भाभी और भाजपा से पूर्व चेयरमैन बाला त्यागी के बीच ही सिमटा नजर आया चुनावी मुकाबला

बुढ़ाना में वोटरों के जोश से कमल खिला तो साइकिल भी दौड़ी

चेयरमैनी की कुर्सी की लड़ाई में बाकी प्रत्याशियों के पक्ष में वोटिंग को मतदाताओं में नजर आई बेहद सुस्ती

बुढ़ाना, 4 मई (बु.)। स्थानीय नगर पंचायत के चुनाव में सपा प्रत्याशी उमा त्यागी और भाजपा प्रत्याशी बाला त्यागी के बीच कांटे का रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। आमने-सामने के हुए इस चुनाव में बाकी पार्टी के प्रत्याशी और निर्दलीय दावेदार अपनी जीत हार को लेकर मौन नजर आये।

आज गुरूवार की देर शाम तक हुए आमने सामने के इस मुकाबले में सपा और भाजपा को अपनी-अपनी पकड़ के हिसाब से मतदाताओं ने खूब वोट दिया। देखा जा रहा है कि पहली बार नगर पंचायत का चुनाव नये रुख की ओर बढ़ता हुई दिखाई दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुकाबला बेहद कड़ा है और हार जीत को लेकर कोई भविष्यवाणी भी नहीं की जा सकती है। नगर पंचायत बुढ़ाना चुनाव में सुबह 7 बजे से ही मतदाताओं की लम्बी लम्बी लाइन बूथों पर लग गयी थी। मौसम आज साफ था। धूप खिली हुई थी। हल्की गर्मी के बीच मतदान शुरू हुआ था, तो मतदान में तेजी आ गयी। कस्बे में हुए इस चुनाव में मजे की बात तो यह रही कि कोई भी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कहीं भी किसी भी गुंजाइश में देखने को नहीं मिला। यही कारण रहा कि भाजपा प्रत्याशी और सपा प्रत्याशी देर शाम तक एक-एक वोट में अपनी हार जीत के लिए ऊपर नीचे होते दिखाई दिये। मीडिया टीम द्वारा विभिन्न बूथों पर किये गये दौरे में यह बात सामने आई कि दोनों ही प्रत्याशी अपने-अपने मुकाबले में कहीं भी कम नजर नहीं आये। ऐसा लग रहा था कि दोनों का मुकाबला बेहद निकट है और हार जीत बेहद कम अंतर से देखने को मिलेगी। वहीं दोनों के बीच मुकाबला ऐसा सिमटा कि आम वोटर उमा त्यागी और बाला त्यागी के बीच ही बटा रह गया। आप और कांग्रेस व अन्य निर्दलीय प्रत्याशी कहीं पर भी मुकाबले में आ ही नहीं पाये। शांतिपूर्ण चुनाव समाप्त होने के बाद भाजपा और सपा खेमे में भारी उत्साह देखने को मिला। पार्टी कार्यालयों पर देर तक भीड़ लगी रही और दोनों पार्टियों के ही पोलिंग एजेंट अपने अपने गुणा और भाग में लगकर अपने रिकार्ड और रिपोर्ट देते रहे। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत व अन्य कई तरह के तथ्य भी दोनों ही प्रत्याशियों के बीच हार जीत को तय करेंगे, क्योंकि भाजपा के सामने सपा ने इस तरह की भी व्यूह रचना की थी कि सपा सुबह होते ही आज मुख्य मुकाबले में भाजपा के सामने खड़ी मिलेगी और हुआ भी वही। इसलिए चुनाव का परिणाम एक तरफा आना या कोई भविष्यवाणी करना बेहद जल्दबाजी होगा। भाजपा के केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान व राज्यमंत्री कपिलेदव अग्रवाल व अन्य नेतागण भाजपा की तरफ से जहां बाला त्यागी के लिए मेहनत कर रहे थे, वहीं सपा नेता सुबोध त्यागी की पत्नी उमा त्यागी के लिए गठबंधन के तमाम नेता व पूर्व राज्यसभा सांसद हरेंद्र मलिक, विधायक राजपाल बालियान, अनिल कुमार, पंकज मलिक, चंदन सिंह चौहान, मदन भैया और बुढ़ाना ब्लॉक के पूर्व प्रमुख विनोद मलिक भी अपने-अपने क्षेत्रों में गठबंधन प्रत्याशियों के लिए काम करते नजर आये। आज देर शाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बैलेट बाक्स डीएवी इंटर कॉलेज में जमा हो गये हैं। अब सभी को मतगणना का इंतजार है, जो कि आगामी 13 मई को होगी।

महिला मतदाताओं ने दिखाया गजब उत्साह

वोट डालने को पति संग भटकती रही मृत दर्शाई गई मोनिका

भोपा, 4 मई (बु.)। मतदान करने गई महिला का नाम वोटर लिस्ट में मृत दर्शाने पर पीठासीन अधिकारी द्वारा वापस लौटा दिया गया। मौहल्ला नेहरू चौक के वार्ड संख्या 12 की मतदाता मोनिका पत्नी राहुल जब इंटर कॉलेज स्थित बूथ पर अपना वोट डालने के लिए गई, तो नवीन वोटर लिस्ट में उसे मृत दर्शाया गया। जिससे महिला के होश उड़ गये। महिला ने चुनाव अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार वर्मा से इसकी शिकायत की तो वह भी कुछ न कर सके तथा महिला को खाली हाथ लौटना पड़ा। महिला ने मुख्यमंत्री हैल्पलाईन पर खुद को मृत दिखाये जाने को साजिश बताते हुए जांच की मांग की है।

भोकरहेड़ी-कड़ी सुरक्षा में 74.48 फीसद वोटिंग, प्रत्याशियों में शुरू हुआ जीत-हार का गुणा भाग

भोपा, 4 मई (बु.)। नगर पंचायत भोकरहेड़ी में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हो गया। मतदाताओं ने बहुत अधिक उत्साह न दिखाते हुए 15532 में से 11336 मत डालते हुए 74.48 प्रतिशत मतदान किया। मतदान के उपरान्त प्रत्याशियों ने गुणा भाग शुरू कर दिया है। कडी सुरक्षा के बीच मतपेटियों को तहसील जानसठ में भेजा गया है।

नगर पंचायत भोकरहेड़ी में गुरूवार को हुए निकाय चुनाव में सुबह 7 बजे से मतदान आरम्भ हुआ। दोपहर के समय मतदान में तेजी आई, तो 45 प्रतिशत तक मतदान हो गया। इसी दौरान पुलिस ने कड़ी सुरक्षा अपनाए रखी। क्षेत्राधिकारी भोपा राम आशीष यादव सभी पोलिंग स्टेशनों पर भारी पुलिसबल के साथ निरीक्षण करते रहे तथा अनावश्यक रूप से भीड़ कर रहे लोगों को बार बार दौड़ाया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार सैनी, दीपक चतुर्वेदी, थानाध्यक्ष ककरौली जितेन्द्र सिंह, एसएसआई सत्यनारायण दहिया पोलिंग बूथों पर निगरानी करते रहे। शाम 6 बजे मतदान शांतिपूर्वक समाप्त हो गया, जिसमें वार्ड 1 हरिजन चौक में 1158 में से 780, वार्ड संख्या 2 सेठपुरी में 1093 में से 844, वार्ड संख्या 3 बेहड़ापट्टी कलालान 1698 में से 1154, वार्ड संख्या 4 पठानान पूर्वी में 1002 में से 734, वार्ड संख्या 5 नई बस्ती में 1065 में से 861, वार्ड संख्या 6 कुवांपट्टी दक्षिणी में 1134 में से 791, वार्ड संख्या 7 बाजार में 1081 में से 866, वार्ड संख्या 8 लोकुपुरा उत्तरी में 952 में से 832, वार्ड संख्या 9 लोकुपुरा दक्षिणी में 1350 में से 926, वार्ड संख्या 10 सुभाष चौक में 1370 में से 989, वार्ड संख्या 11 कुवांपट्टी उत्तरी में 1153 में से 845, वार्ड संख्या 12 नेहरू चौक में 1184 में से 930, वार्ड संख्या 13 पठानान पश्चिमी में 1092 में से 784 वोट पडे।

तारीख गवाह है

आज का इतिहास

35 साल पहले एवरेस्ट की चोटी से हुआ पहला टीवी प्रसारण

नयी दिल्ली 04 मई (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 05 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ इस प्रकार हैं। 1479-सिखों के तीसरे गुरु अमरदास का जन्म। 1821-फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी और राजनीतिक नेता नेपोलियन बोनापार्ट का निधन। 1836-बेल्जियम में यूरोप की पहली रेल लाईन शुरू हुई। 1883-सुरेन्द्र नाथ बनर्जी जेल जाने वाले पहले पत्रकार बने। 1912-स्वीडन के स्टॉकहोम में पाँचवें ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई, तभी से ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन समारोह और समापन समारोह की परम्परा बनी। 1916-भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म। 1919-पेरिस में रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना। 1926-पहली बार जर्मनी में आइन्स्टीन की फिल्म बैटलशिप पोटेमकिन दिखाई गई। 1932-जापान और चीन ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1936-इटली के सैनिकों ने इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पर कब्जा किया। 1937-परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का जन्म। 1944-महात्मा गांधी को जेल से रिहा किया गया। 1949-भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना। 1951-ब्रिटेन में वह पहला कम्प्यूटर प्रदर्शित किया गया था, जो खेलने के लिए बनाया गया था। 1954-हरियाणा के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोहर लाल खट्टर का जन्म। 1961-कमांडर एलन शेफर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी बने। 1980-लंदन में स्थित ईरानी दूतावास को कुछ हमलावरों से आजाद कराया गया था। 1984-दोरजी बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट फतह करने वाले पहले भारतीय बने। 1988-एवरेस्ट की चोटी से पहला टेलीविजन प्रसारण किया गया। 1999-रोजाने प्रोदी यूरोपीय संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बने। 2003-भारत-बंगलादेश संयुक्त नदी आयोग की बैठक सिलहट में शुरू। 2005-ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता टोनी ब्लेयर तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। 2006-प्रसिद्ध फिल्म संगीतकार नौशाद अली का निधन।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 04 मई, (बु.)। सोना-चांदी के भाव इस प्रकार रहे:-

सोना- 61,800	चांदी-75,000
सिक्का- 800	गिन्नी- 40,500

आज का राशिफल

शुक्रवार, 05 मई, 2023

मेष- कार्य सिद्धि का प्रयास सार्थक, आर्थिक लाभ, सुसमाचार की प्राप्ति, धन सम्पत्ति का मसला सुलझने की ओर, जीवनसाथी से सामंजस्य।
वृषभ- विनियोजित धन का प्रतिफल, धर्म में आस्था, पत्नी के स्वास्थ्य के प्रति चिंता कुछ कम, राजनीतिक पक्ष से लाभान्वित।
मिथुन- नवयोजना पर कार्यारम्भ, धनागम का मार्ग प्रशस्त, इच्छित प्राप्ति में व्यवधान समाप्त, मेल-मिलाप में रुचि।
कर्क- संकल्प विकल्प की स्थिति, व्यावसायिक निराशा, विश्वासघात की आशंका, स्पष्टवादिता घातक, क्रोध की अधिकता।
सिंह- व्यवसाय में उन्नति, स्वजनों-परिजनों के माध्यम से कुछेक मसला हल, सुख के जरूरी साधन सुलभ, बकाए धन की प्राप्ति।
कन्या- परिस्थितियाँ सुधार पर, शिक्षा एवं प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, वैवाहिक जीवन संतोषजनक, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, धार्मिक स्थलों की यात्रा।
तुला- ग्रहस्थिति भाग्य के अनुकूल, साहसिक प्रयास प्रगति पर, आकांक्षित सिद्धि में अनुकूलता, सामाजिक कृत्यों में अभिरुचि।
वृश्चिक- कार्यों में गतिरोध, पारिवारिक असंतोष, क्रोध से हानि, सहयोगियों के गतिविधियों से मानसिक कष्ट, व्यर्थ भ्रमण।
धनु- ग्रहस्थिति अनुकूल, स्वजनों-परिजनों से विचार-विमर्श, समस्या का समाधान, महत्वपूर्ण उपलब्धि, चिन्ताएँ कुछ कम होने को।
मकर- योजना साकार, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, सुयश की प्राप्ति से खुशी, राजनैतिक गतिविधियों की ओर रुझान।
कुम्भ- निराशा का समापन, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, शुभसमचार से खुशी, स्तर को बनाये रखने के लिए व्यय, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम उपस्थित।
मीन- कार्य-व्यापार में असंतोष, योजना अधूरी, विचारों में उग्रता, दूसरों की गलतफहमी के शिकार, यात्रा विफल, व्यय की अधिकता।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

बुढ़ाना में ई-रिक्शा चलवाने पर सख्त हुई पुलिस, दो पकड़े

नोंकझोंक के बीच चलता रहा मतदान, सिपाही पर लगे आरोप, फर्जी आधार से वोट डालने की भी उड़ती रही खबर

बुढ़ाना, 4 मई (बु.)। स्थानीय नगर पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहा। दूसरी ओर विभिन्न वार्डों के कुछ प्रत्याशियों द्वारा इसलिए ई-रिक्शा चलवाई गयी थी, ताकि विकलांग, वृद्ध और महिलाओं को बैठाकर उनको बूथ तक लाया जा सके, लेकिन आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने एक दो ई-रिक्शाओं को पकड़कर उनको कोतवाली में भिजवा दिया और ई रिक्शा चालकों को फटकार लगाई।

इसके अलावा बुढ़ाना के वार्ड नम्बर 9 और वार्ड नंबर 4 के बूथों पर जूनियर हाईस्कूल में एक कांस्टेबल द्वारा लोगों की पर्ची चेक कर उनको सही पर्ची होने के बाद भी बूथ से बैरंग लौटाने की खबर है। चर्चा चली कि उक्त पुलिस कांस्टेबल वोट प्रतिशत कम करने के लिए ऐसा कर रहा था। इससे अलग कस्बा बुढ़ाना में वार्ड नंबर 12 में फर्जी आधार कार्ड बनाकर वोट डालने का मामला भी सामने आया है। जिसमें आधार कार्ड पकड़े जाने पर एक युवक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। बताया जाता है कि कि भारत टॉकीज के पास फर्जी आधार बनवाकर कस्बे में वोट डलवाने की चर्चा जोरो पर है, जिसको लेकर कस्बेवासियों में भारी रोष व्याप्त है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ऐसा बताया गया है। बुढ़ाना के वार्ड नंबर 16 में प्रत्याशियों के एजेंटों के पहचान पत्र देखकर उनको बूथ से चलता करने की खबर है। इसकी शिकायत एजेंटों ने चुनाव आयोग को भेजने की बात कही है। एक अन्य घटनाक्रम में मोहल्ला मिर्दगान की एडवोकेट शीबा सलमानी जब वार्ड नंबर 16 में वोट डालने गयी, तो बूथ के अंदर मौजूद एक अधिकारी ने शीबा की वोट पर उसका अंगूठा जबरदस्ती लगवाकर उसी के सामने उसका वोट पेटी में डलवा दिया। शीबा के अनुसार इसी तरह की आधा दर्जन से भी अधिक वोटों को इस अधिकारी द्वारा डलवाया गया है। शीबा ने इसकी शिकायत जिले के उच्चा अधिकारियों से करने की बात कही है। इससे अलग बुढ़ाना के वार्ड नंबर 12 में प्रदीप शर्मा एडवोकेट जो हाईकोर्ट दिल्ली में प्रेक्टिस करते हैं एवं उनकी पत्नी रेनू शर्मा और उनके भाई संदीप शर्मा जो कि रक्षा मंत्रालय में सर्विस कर रहे हैं एवं उनकी पत्नी ममता शर्मा की फर्जी वोट डालने पर उनके परिजनों ने हंगामा किया। हंगामा आर्य समाज मंदिर में बने मतदान केंद्र पर होना बताया गया है। कुल मिलाकर एसडीएम बुढ़ाना अरुण कुमार श्रीवास्तव और सीओ विनय गौतम के नेतृत्व में छिटपुट घटनाएं और नोंक-झोंक को छोड़कर बुढ़ाना में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।

जिले के प्रमुख उद्यमी सतीश गोयल और उनकी धर्मपत्नी मधु गोयल ने आज मतदान में भाग लेकर अपना वोट डाला।

विक्रम दवाई फैक्ट्री से कार्तिक अग्रवाल, शिवानी और उत्कर्ष ने भी नगरपालिका परिषद् के चुनाव में अपने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

रालोद विधायक प्रसन्न को तीन घंटे कोतवाली में बैठाया

शामली, 4 मई (बु.)। वीवी इंटर कॉलेज में बनाए गए बूथ पर कुछ लोगों द्वारा चुनाव प्रभावित करने की सूचना पर शामली से रालोद विधायक प्रसन्न चौधरी अपने अन्य समर्थकों के साथ बूथ पर पहुंच गए, जहां पर मौजूद सीओ सिटी बिजेन्द्र सिंह भड़ाना रालोद विधायक को समर्थकों समेत कोतवाली ले आए। पुलिस ने विधायक को करीब तीन घंटे तक कोतवाली में बैठाकर उन्हें घर भेज दिया।

शहर के वीवी इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्रों पर वोटिंग के दौरान शामली विधायक प्रसन्न चौधरी को सूचना मिली कि यहां पर कुछ लोग चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं, जिसकी शिकायत विधायक ने शामली कोतवाली प्रभारी नेमचंद सिंह को दी। विधायक प्रसन्न चौधरी के अनुसार एक बार फिर कुछ लोगों द्वारा चुनाव को प्रभावित किए जाने की सूचना पर वह अपने अन्य समर्थकों के साथ वीवी इंटर कॉलेज के बूथ पर पहुंच गए, जहां पर मौजूद सीओ सिटी बिजेन्द्र सिंह भड़ाना ने विधायक प्रसन्न चौधरी को बूथ पर न जाने के लिए कहा और उन्हें उनके समर्थकों के साथ कोतवाली ले आए। विधायक प्रसन्न चौधरी अपने समर्थकों के साथ वीवी इंटर कॉलेज से पैदल ही कोतवाली के लिए चल दिए। उधर विधायक को हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलने पर रालोद के अन्य कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। कोतवाली पहुंचने पर विधायक कोतवाली प्रभारी नेमचंद सिंह के कैबिन में बैठ गए। इस दौरान उनके साथ गठवाला खाप के बाबा श्याम सिंह, रालोद जिलाध्यक्ष वाजिद अली, वीर सिंह मलिक समेत अन्य रालोद कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

करीब तीन घंटे कोतवाली में बैठाने के बाद पुलिस ने विधायक को घर भेज दिया। एएसपी ओपी सिंह ने बताया कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार मतदान केंद्र के अंदर केवल मतदाता या मतदान सम्पन्न करा रहा व्यक्ति ही जा सकता है, अन्य किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र में अंदर जाने की अनुमति नहीं है। विधायक मतदान केंद्र पर पहुंच गए थे, जिन्हें बातचीत करने के लिए कोतवाली भेजा गया था। विधायक को हिरासत में नहीं लिया गया है।

चुनाव प्रभावित करने की सूचना पर मतदान केंद्र पहुंचे थे विधायक, सीओ सिटी ने विधायक को समर्थकों सहित हिरासत में लिया

रालोद कार्यकर्ताओं को कोतवाली से खदेड़ा

शामली। कोतवाली पहुंचे विधायक प्रसन्न चैधरी कोतवाल के कैबिन में सीओ सिटी से वार्ता कर रहे थे, तभी एक रालोद कार्यकर्ता ने प्रसन्न चौधरी जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिस पर सीओ सिटी ने कार्यकर्ता को जमकर लताड़ा और उसे कोतवाली परिसर से बाहर खदेड़ दिया।

कार्यकर्ता को फटकारा

शामली। विधायक और अन्य समर्थक कोतवाल के कैबिन में बैठे हुए थे। कोतवाल नेमचंद सिंह विधायक व समर्थकों से वार्ता कर रहे थे। तभी एक समर्थक ने कह दिया कि हमें 20 मिनट की ढील दे दो, फिर देखो क्या होता है। इस पर कोतवाल नेमचंद सिंह नाराज हो गए और कहने लगे कि 20 मिनट नहीं एक घंटे की ढील देता हूं, जाओ देखता हूं तुम क्या करते हो।

वार्ड 36 में पारुल मित्तल की जीत तय

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। नई मंडी के वार्ड 36 में कांटे की टक्कर के बावजूद भाजपा की पारुल मित्तल पत्नी अचिंत मित्तल की जीत की संभावनाएं अधिक मानी जा रही हैं। यहां उनका सीधा मुकाबला दीपक गोयल की पत्नी रजनी गोयल से था। वार्ड 36 के चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता व जिला मीडिया सह प्रभारी अचिंत मित्तल की पारुल मित्तल का मुकाबला वैसे तो दो प्रत्याशियों से था, लेकिन इनमें पूर्व सभासद दीपक गोयल की पत्नी रजनी गोयल ही मुख्य मुकाबले में माना जा रहा था। इन दोनों प्रत्याशियों ने ही वोटरों को लुभाने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए। भाजपा के गढ़ वाले इस क्षेत्र में आज मिले रुझान बताते हैं कि वोटर ने जमकर कमल के फूल को फुल सपोर्ट दिया। इस वार्ड में करीब 8800 वोटर हैं। इनमें करीब 3900 ने आज वोट किया। ऐसे में भाजपा प्रत्याशी का दावा है कि उन्हें इनमें करीब 2800 वोट मिलेंगे। जाहिर है कि यहां भाजपा प्रत्याशी पारुल मित्तल को बंपर जीत का दावा किया जा सकता है।

विधायक अशरफ अली को किया नजरबंद, आवास से बाहर निकलने पर अफसरों ने जताई नाराजगी

शामली, 4 मई (बु.)। चुनाव के दिन आवास से बाहर निकलने के मामले में पुलिस प्रशासन ने थानाभवन विधायक अशरफ अली खान को नजरबंद कर दिया। विधायक को प्रशासन की ओर से लगातार चेतावनी दी जा रही थी। इसके बाद शाम करीब चार बजे विधायक ने प्रशासन से वोट डालने की अनुमति मांगी, जिसके बाद अफसरों ने कुछ देर बार अनुमति दी उन्होंने अपने बूथ पर पहुंचकर मतदान किया।

आसपास के कई जिलों के साथ गुरुवार को जलालाबाद कस्बे का भी निकाय चुनाव संपन्न हुआ। निकाय चुनाव में स्थानीय विधायक अशरफ अली खान के द्वारा गठबंधन प्रत्याशी अब्दुल गफ्फार को समर्थन दिया गया है। चुनाव शुरू होने के साथ ही विधायक अपने आवास से बाहर निकल गए थे। जिसकी शिकायत दूसरे पक्ष के लोगों की ओर से लगातार प्रशासन को की जा रही थी। शिकायत के बाद प्रशासन लगातार विधायक को बाहर घूमने से मना कर रहा था। इसी के चलते पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विधायक अशरफ अली खान को उनके घर में ही नजर बंद कर दिया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि नियमों के विरुद्ध स्थानीय विधायक गठबंधन प्रत्याशी का प्रचार प्रसार कर रहे हैं और मतदाताओं को बहलाने की कोशिश कर रहे हैं। विधायक को पुलिस सुरक्षा में नजरबंद कर दिया गया। शाम करीब चार बजने पर विधायक ने प्रशासन से वोट डालने की अनुमति मांगी।

पूर्व सभासद व भाजपा समर्थक भिड़े, चार हिरासत में

शामली। शामली के वार्ड 16 के मौहल्ला दयानंद नगर में वोट डालने को लेकर पूर्व सभासद अनिल उपाध्याय व भाजपा प्रत्याशी के समर्थक सुभाष मलिक में कहासुनी हो गई, जिसको लेकर दोनों पक्ष मतदान केंद्र के बाहर ही भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर लात-घुस्से चले, जिससे मतदान केंद्र के बाहर हंगामा हो गया। संघर्ष में भाजपा समर्थक सुभाष मलिक घायल हो गया। मतदान केंद्र पर झगड़े की सूचना पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और लाठी फटकार कर दोनों पक्षों में तितर-बितर कर दिया।

शाहपुर-एक तरफा चली झाड़ू ने हैंडपंप को रोका

मुस्लिम बूथों पर हाजी कल्लू व इलियास में रही टक्कर, हिंदू बाहुल्य क्षेत्रों में बच्ची-प्रमेश में रहा कड़ा मुकाबला

(सचिन संगल)

शाहपुर, 4 मई (बु.)। शाहपुर का इतिहास एक बार फिर खुद की दहलीज पर खड़ा है। ऐसी अतिश्योक्ति है कि जो एक बार यहां की सत्ता पर विराजमान हो गया, उसे लगातार दूसरी बार कुर्सी नसीब नहीं हुई। हालांकि इस बार इस रिकॉर्ड के टूटने की प्रबल संभावना जताई जा रही थी। केंद्र एवं प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का वरद हस्त प्राप्त शाहपुर में ट्रिपल इंजन की सरकार की वापसी के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा, किंतु आज मतदान के दिन यदि बुलेटिन वास्तविकता से लोगों को दो चार करें तो हकीकत यह है कि आगामी 13 मई को शाहपुर को नया प्रथम नागरिक मिलेगा। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो पहली बार जनपद में अपनी धमाकेदार एंट्री के साथ आम आदमी पार्टी नगर के सिंहासन पर विराजमान हो सकती है। मतदान के बाद वोटरों के रुझान से यह बात स्पष्ट हो चली है कि सभी प्रमुख प्रत्याशियों में पहली बार चुनाव में किस्मत आजमाने वाले हाजी अकरम कुरैशी कल्लू की झाड़ू सब पर भारी पड़ी। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में हाजी अकरम उर्फ कल्लू पौदी जहां रालोद गठबंधन के प्रत्याशी हाजी इलियास कुरैशी पर भारी पड़ते नजर आए, वहीं हिंदू बाहुल्य बूथों पर निर्दलीय प्रत्याशी श्यामलाल बच्ची सैनी के लड़का लड़की ने भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान चेयरमैन परमेश सैनी के कमल के फूल को कई स्थानों पर खिलने से रोक दिया। नगर के राजनीतिक पंडितों की माने तो आम आदमी पार्टी एवं बच्ची सैनी में सीधा मुकाबला रहा, जबकि कुछ विश्लेषक मुकाबले को अभी भी चतुष्कोण मानने से नहीं चूक रहे हैं। वास्तविकता तो भविष्य के गर्भ में है, जो आगामी 13 मई को शनिवार के दिन सामने आएगी शनिश्चर किसका भला करेगा एवं किस पर भारी पड़ेगा, इसके लिए अभी 8 दिन कयासों के दौर चलते रहेंगे।

शाहपुर में नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर गुरूवार को सुबह 7:00 बजे से ही सभी 9 मतदान केंद्रों पर स्थित 22 बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लग गई थी। यहां चेयरमैनी का मुकाबला चार प्रत्याशियों के बीच सिमटा रहा। आम आदमी पार्टी के हाजी अकरम कुरैशी उर्फ कल्लू रालोद गठबंधन के हाजी इलियास कुरैशी भारतीय जनता पार्टी से निवर्तमान चेयरमैन परमेश सैनी एवं निर्दलीय के तौर पर मैदान में उतरे पूर्व चेयरमैन पति श्यामलाल बच्ची सैनी मुख्य मुकाबले में थे। मुस्लिम पृष्ठभूमि वाले मतदान बूथों पर सुबह से ही लंबी कतारें लग गई थी। शुरूआती दौर में तो चारों प्रत्याशी मुकाबले में बने रहे, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा मुस्लिम क्षेत्रों में झाड़ू ने हैंड पंप पर बढ़त बना ली, हालांकि बच्ची सैनी के लड़का लड़की पर भी कई जगह वोटिंग होती रही और कुछ मुस्लिम मतदाताओं में कमल के फूल के प्रति रुझान दिखा। ठीक इसके विपरीत हिंदू क्षेत्रों में कई जगह बच्ची सैनी फूल पर बढ़त बनाते दिखे, तो कई बूथों पर परमेश सैनी उन पर भारी पड़े, लेकिन अधिकांश इलाकों में लड़का लड़की ने कमल के फूल को पूरी तरह खिलने नहीं दिया, जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो मुख्य मुकाबले में हाजी कल्लू और बच्ची सैनी है, जबकि इसके विपरीत कुछ लोग चारों के बीच मुकाबला मान रहे हैं। यदि बुलेटिन अपने सूत्रों पर यकीन करें तो आम आदमी पार्टी एकतरफा जीत की ओर आगे बढ़ रही है, हां यदि मुस्लिम क्षेत्रों में हाजी इलियास ने कड़ा मुकाबला किया और बच्ची सैनी को भी यहां अपेक्षाकृत वोट मिले तो परिणाम चौंकाने वाला भी आ सकता है, हालांकि इसकी संभावना कम ही है। कुल मिलाकर राजनीति के जानकार जनपद में वाया शाहपुर को होते हुए आम आदमी पार्टी की धमाकेदार एंट्री से शाहपुर के चुनाव को जोड़कर देख रहे हैं। बताते चलें कि हाजी अकरम उर्फ कल्लू कुरैशी आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी बनने से पहले गठबंधन प्रत्याशी के रूप में अपनी पहचान बनाने में लगे थे, लेकिन एन वक्त पर रालोद गठबंधन ने पिछले दो दशकों से आरएलडी से जुड़े हाजी इलियास कुरैशी पर ही दांव लगाना बेहतर समझा। इसके पीछे बड़ा कारण यह था कि हाजी इलियास कुरैशी सुख-दुख सभी परिस्थितियों में लोकदल के साथ एवं राज्यपाल बालियान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उधर दूसरी ओर शाहपुर में पहली बार कमल खिलाने का सौभाग्य 5 वर्ष पूर्व परमेश सैनी को ही जाता है, जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत वोटों के साथ-साथ पार्टी के मतों को सहेजकर शाहपुर में पहली बार वर्ष 2017 में कमल खिलाया था, लेकिन इस बार वह चक्रव्यूह में फंसते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि शाहपुर का इतिहास रहा है कि दशकों से यहां कोई लगातार दूसरी बार नगर का प्रथम नागरिक नहीं बना। इस बार यह रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद लगाई जा रही थी, लेकिन यदि आज के मतदान के रुझान की बात करें, तो शायद यह रिकॉर्ड बरकरार ही रहेगा। शेष सभी उम्मीदवारों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो चुका है और आगामी 13 मई को शनिचर किस किस पर भारी पड़ेगा। यह भविष्य के गर्भ में है। कुल मिलाकर शाहपुर के सिंहासन पर आम आदमी की संभावित ताजपोशी को लेकर गली मोहल्लों एवं चौराहों पर चर्चा गर्म है हिंदू मतों की अपेक्षा मुस्लिम मतदाताओं का मतदान प्रतिशत बढ़ा हुआ है?

बच्ची सैनी के लड़का-लड़की ने नहीं खिलने दिया प्रमेश का फूल

फोटो बुलेटिन

नगर निकाय चुनाव के दौरान जहां युवाओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह नजर आया तो वहीं बुजुर्ग मतदाताओं का जोश भी देखते बनता था।

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्री उत्तम चन्द्र शर्मा ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
उप सम्पादक - श्रीमती पूजा दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail : muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2023

सम्पादक की कलम से

पहलवानों और पुलिस में -झड़प

बुधवार की रात जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों और पुलिस में झड़प हो गयी और अगले दिन यानी कल सुप्रीम कोर्ट ने उनका मामला बन्द कर दिया, साथ में कहा कि अगर और कोई मसअला है, तो वे हाई कोर्ट जा सकते हैं। यह मामला कई दिनों से चल रहा है। महिला पहलवानों के पक्ष में भी सोशल मीडिया पर टिप्पणियाँ हैं, तो उनके विरोध में भी टिप्पणियाँ हैं। पहलवानों के पक्ष में कहा जा रहा है कि सरकार को इन बेटियों की बात सुननी चाहिए और विरोध में कहा जा रहा है कि भारत में गोल्ड मेडल जीतने वालों के लिए कोई अलग कानून नहीं है कि कोई गोल्ड मैडलिस्ट किसी को गिरफ्तार करने के लिए कहे तो उसे फौरन गिरफ्तार कर लिया जाए। विपक्ष के कई नेता पहलवानों के समर्थन में बयान दे चुके हैं, जबकि कई वकील कह रहे हैं कि उन्हें कानूनी रास्ता अपनाना चाहिए। धरना प्रदर्शन तो निकृष्ट राजनीति को बढ़ावा देता है। जंतर-मंतर पर बुधवार देर रात हुई झड़प में पहलवान राकेश यादव और विनेश फोगाट के भाई दुष्यंत को चोटें आई हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि रेसलर पर बल प्रयोग नहीं किया गया, 5 पुलिसवाले घायल हुए हैं। हमने पुलिसकर्मियों का मेडिकल भी करवाया। कोई भी नशे में नहीं पाया गया। लगातार 12 दिन से धरना दे रहे रेसलर्स ने झड़प के बाद गुरुवार को कहा कि हम सभी मेडल्स भारत सरकार को लौटा देंगे। महावीर फोगाट ने भी कहा कि वे अपना द्रोणाचार्य अवार्ड लौटा देंगे। रेसलर्स से मिलने गुरुवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल, किसान और खाप नेता पहुंचे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अरविंद केजरीवाल, नवजोत सिंह सिद्धू और बॉक्सर विजेंदर सिंह ने रेसलर्स का सपोर्ट किया है। विवाद तब शुरू हुआ, जब बारिश से बिस्तर और सड़कें भीगने के बाद पहलवान बेड लेकर धरना स्थल आए। आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती भी बेड लेकर पहुंचे। पुलिस ने जब पहलवानों और भारती को रोका, तो बहस शुरू हो गई। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हमने समझाने की कोशिश की, लेकिन रेसलर्स उग्र हो गए। हल्की सी झड़प भी हो गई। भारती समेत कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। गुरूवार को धरना स्थल पर भारी पुलिसबल तैनात है। विवाद के बाद पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रेसलर संगीता फोगाट और साक्षी मलिक फूट-फूट कर रोने लगीं। इन्होंने हाथ जोड़े और कहा कि हमारी मदद करिए। विनेश ने बताया कि वो पलंग लेने जा रही थीं, इसी दौरान पुलिसकर्मी ने उनके साथ गाली-गलौच और बदतमीजी की। विनेश ने रोते हुए कहा, क्या इसी दिन के लिए हम देश के लिए मेडल लेकर आए थे। बृजभूषण सुकून से सो रहे हैं और हम यहां लाठियां खा रहे हैं। बजरंग पुनिया ने वीडियो जारी किया, कहा कि धरनास्थल पर न आएं, क्योंकि यहां आने वालों को हिरासत में ले लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें मुद्दे से भटकाने की कोशिश की जा रही है। हमें भटकना नहीं है, किसी के साथ हाथापाई नहीं करनी है। पुलिस ने जंतर-मंतर पर बैरिकेडिंग कर दी। मीडिया को भी वहां से हटा दिया गया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल जंतर-मंतर जा रही थीं, लेकिन कुछ देर बाद ही उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को भी रात में ही हिरासत में ले लिया गया। बाद में स्वाति मालिवाल भी जंतर-मंतर पहुंचीं। यहां विनेश, साक्षी और दूसरी महिला पहलवानों से मुलाकात की। हरियाणा के गांवों से किसान और खाप नेता जंतर-मंतर की ओर रवाना हुए। प्रियंका गांधी ने कहा महिला पहलवानों के आंसू देखकर दुख हुआ। इन्हें न्याय मिलना चाहिए। सोशल मीडिया पर एक चिट्ठी वायरल है। दावा किया जा रहा है कि बजरंग पूनिया ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर जंतर-मंतर पर आंदोलनकारी खिलाड़ियों की परेशानियों का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि घटना के जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, हालांकि विनेश समेत कई अन्य पहलवानों ने कहा कि कोई चिट्ठी नहीं लिखी गई है। बुधवार को इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा जंतर-मंतर पहुंचीं। यहां उन्होंने धरने पर बैठे रेसलर्स विनेश फोगाट, साक्षी मालिक और बाकी पहलवानों से बातचीत की। इस दौरान बजरंग पूनिया ने कहा कि पीटी उषा ने बोला कि वे हमारे साथ खड़ी हैं और हमें न्याय दिलाएंगी। वे पहले एक एथलीट हैं और फिर कुछ और। इससे पहले पीटी उषा ने धरने का विरोध करते हुए कहा था कि इससे देश की छवि खराब हो रही है। इसके जवाब में रेसलर्स ने कहा था कि उनसे ऐसे बयान की उम्मीद नहीं थी। विनेश फोगाट ने कहा कि हमने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से बात करने के बाद धरना समाप्त कर दिया था और सभी एथलीटों ने उन्हें यौन उत्पीड़न के बारे में बताया था। एक कमेटी बनाकर उन्होंने मामले को दबाने की कोशिश की, उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई। विनेश ने खुलासा किया कि जंतर-मंतर पर बैठने से तीन-चार महीने पहले हम एक अधिकारी से मिले थे। हमने उन्हें सब कुछ बताया था कि कैसे महिला एथलीटों का यौन उत्पीड़न हो रहा है और मानसिक रूप से उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो हम धरने पर बैठ गए। वहीं पहलवानों की मांगों को लेकर भाजपा सांसद मेनका गांधी ने समर्थन किया है। दूसरी तरफ बृजभूषण शरण सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, जिन अध्यक्ष के घर आप आते थे, शादी में बुलाते थे, परिवार में आते थे, घुल-मिलकर रहते थे, जैसे एक परिवार हो। तब आपने कोई गोपनीय शिकायत नहीं की। आपको तब सारी दिक्कत हो जाती है, जब मैं एक पॉलिसी लेकर आता हूं। ओलिंपिक में कौन जाएगा, कौन नहीं जाएगा, ये नियम बनाता हूं, तब आपको तकलीफ होती है। कुश्ती में सामान्य परिवार के बच्चे आते हैं। कहीं न कहीं उनके माता-पिता अपनी जरूरतों में कटौती करके बादाम-घी का इंतजाम करते हैं। वे उम्मीद रखते हैं कि बेटा नेशनल, इंटरनेशनल खेलेगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि जिन मोदी जी की आज ये निंदा कर रहे हैं, जिन योगी जी की आज ये निंदा कर रहे हैं, दुनिया का कोई देश खिलाड़ियों को इतनी सहूलियत या पैसा नहीं देता, जितना हमारा देश देता है। कई देश तरसते हैं कि काश, हमें भारत से मौका मिलता।शाहपुर के सिंहासन पर विराजमान होगा आम आदमी ?

चार तीर

-सुनील 'उत्सव'

"हार" "नींद" "जनता" "चिन्ता"

जीतूंगा, हार जाऊंगा ये सोच-सोच कर,
अब नींद भी न आएगी उम्मीदवार को।
जनता ने दूसरे को कहीं दे दिया न वोट,
चिन्ता यही सताएगी उम्मीदवार को।

शोरम चौपाल पर नरेश टिकैत के नेतृत्व में खाप चौधरियों की पंचायत

07 मई को जंतर मंतर पर खिलाड़ियों के समर्थन में पहुंचेंगे खाप चौधरी

शाहपुर, 04 मई (बु.)। क्षेत्र के गांव सोरम में जंतर मंतर पर शोषण के विरुद्ध धरना दे रहे खिलाड़ियों के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर आयोजित खाप चौधरियों की पंचायत में भाकियू सुप्रीमो चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि गांव में स्थित इस ऐतिहासिक चौपाल से जो भी निर्णय लिए गए हैं, वह सभी सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं, उससे देश का नाम होता है ना की किसी जाति विशेष का। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने साहस दिखाकर उत्पीड़न का विरोध किया। यह सभी के मान सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि यह समय खिलाड़ियों के अस्तित्व बचाने का है। यह हम सभी के मान सम्मान की बात है, हम सभी मनमुटाव दूर कर मान सम्मान बचाने के लिए खिलाड़ियों का साथ दें। उन्होंने कहा कि खाप चौधरी समाज की रखवाली करते हैं तथा समाज के भरोसे होते हैं। समाज के सभी लोग खाप चौधरियों द्वारा लिए गए निर्णय का साथ दें। भाकियू सुप्रीमो ने कहा कि खिलाड़ियों द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसके बाद पुलिस को एक्शन लेना चाहिए था, किंतु पुलिस एक्शन नहीं ले रही है। सर्व खाप मंत्री सुभाष बालियान ने कहा कि सभी एकजुट होकर खिलाड़ियों को न्याय दिलाने का कार्य करें, यदि खिलाड़ियों को न्याय नहीं मिलता, तो उनके साथ अन्य खिलाड़ियों का भी मनोबल टूटेगा। अहलावत खाप के चौधरी गजेंद्र सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों के धरना देने से देश की भी बदनामी हो रही है किंतु सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है।

हुड्डा खाप के चौधरी जितेंद्र सिंह ने कहा कि खिलाड़ी देश की धरोहर होते हैं, किंतु सरकार व उसके प्रतिनिधि खिलाड़ियों को क्षेत्र व जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं। कुंडू खाप के चौधरी चौधरी उपेंद्र सिंह ने कहा कि यह खिलाड़ियों के स्वाभिमान की बात है। आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी ना होना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेनीवाल खाप के चौधरी अमित बेनीवाल ने कहा कि भाजपा पार्टी ना होकर प्राइवेट कंपनी की तरह कार्य कर रही है। आरोपी सांसद के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। घनघस खाप के चौधरी सुखपाल सिंह ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों पर अत्याचार कर रही है तथा धरना दे रहे खिलाड़ियों तक सुविधा भी नहीं पहुंचाने दे रही है। गठवाला खाप के थांबेदार चौधरी श्याम सिंह ने कहा कि बेटियां मेडल आकर देश का नाम रोशन करती हैं। उनका शोषण हो रहा है, जो गलत है। आरोपी सांसद को जेल भेजा जाना चाहिए। पंचायत में खाप चौधरियों ने निर्णय लिया कि 7 मई को सभी खाप चौधरी व गणमान्य व्यक्ति दिल्ली जंतर मंतर धरना स्थल पर पहुंचेंगे तथा वहां अन्य प्रदेशों के लोग भी आएंगे, सभी आपस में विचार विमर्श कर निर्णय लेंगे। पंचायत को निर्वाल खाप के चौधरी राजबीर सिंह, देशवाल खाप के चौधरी शरणवीर सिंह, बुड़ियान खाप के चौधरी सचिन, सहरावत खाप के वरुण सहरावत, श्योराज खाप के प्रतिनिधि चौधरी सिमौद, राठी खाप के जीत राठी सहित भाकियू नेता ओमपाल मलिक, नेत्रपाल सिंह पीनना, सतवीर सिंह सैकेट्री, विजेंद्र बालियान, मास्टर ओमपाल सिंह सिसौली, सत्येंद्र प्रधान व विपिन बालियान आदि ने संबोधित किया। पंचायत में सैकड़ों लोग मौजूद रहे। पंचायत की अध्यक्षता लाटियान खाप के चौधरी चौधरी वीरेंद्र सिंह लाटियान व संचालन मास्टर रामपाल सिंह ने किया।

शामली जिले में 65.02 प्रतिशत हुआ मतदान

शामली, 4 मई (बु.)। जनपद शामली की 3 नगर पालिकाओं व 7 नगर पंचायतों में शांति पूर्वक मतदान सम्पन्न हो गया। पूरे जिले का मतदान प्रतिशत 65.02 प्रतिशत रहा, जिसकी घोषणा देर शाम जिला सूचना विभाग ने की। जिले में मतदान शांति पूर्वक सम्पन्न होने पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली है। जनपद शामली में हुए निकाय चुनाव के मतदान ने सवेरे धीमी शुरूआत की, लेकिन आसमान में सूरज की तपिश के साथ मतदान का ग्राफ भी बढता चला गया। सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ, तो लोग वोट डालने के लिए लाइन में लग गए। किसी मतदान केंद्र पर भीड तो कोई मतदान सुनसान दिखा। ठीक दो घंटे बाद 9 बजे निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रतिशत घोषित किया, जिसमें कैराना में 11.46, कांधला में 15.04, शामली में 11.01, ऊन में 5.77, एलम में 15, गढ़ीपुख्ता में 13.31, जलालाबाद में 16,54, झिंझाना में 15, थानाभवन में 15 व बनत में 14.24 प्रतिशत चुनाव हुआ। इसके बाद सभी निकायों में मतदान प्रतिशत ने तेजी पकड़ी। सुबह 11 बजे तक कैराना में 28.05, कांधला में 31.86, शामली में 22.69, ऊन में 25.75, एलम में 33, गढ़ीपुख्ता में 30.14, जलालाबाद में 35, झिंझाना में 30, थानाभवन में 28.08 तथा बनत में 27.9 प्रतिशत चुनाव हुआ। तेज धूप के साथ एक बार फिर मतदान ग्राफ में गिरावट आई और 1 बजे तक कैराना में 42.33, कांधला में 43.56, शामली में 36.68, ऊन में 37.9, एलम में 43.5, गढीपुख्ता में 45.65, जलालाबाद में 48.71, झिंझाना में 40, थानाभवन में 42.78 तथा बनत में 42.46 मतदान प्रतिशत हुआ। इसके बाद मतदान की रफ्तार सुस्त हो गई थी, जिसके चलते दोपहर 3 बजे तक कैराना में 51.77, कांधला में 57.12, शामली में 46.17, ऊन में 52.08, एलम में 56.39, गढीपुख्ता में 58.08, जलालाबाद में 59.52, झिंझाना में 48, थानाभवन में 54.22 तथा बनत में 54.3 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम होते ही मतदान प्रतिशत ने फिर से रफ्तार पकडी और शाम 5 बजे तक कैराना में 62.9, कांधला में 66.65, शामली में 56.88, ऊन में 62.27, एलम में 68.9, गढीपुख्ता में 67.8, जलालाबाद में 66.8, झिंझाना में 65, थानाभवन में 64.4 तथा बनत में 64.95 प्रतिशत मतदान हुआ। शामली नगर पालिका में कुल 58.27, कैराना में 67.02, कांधला में 69.16, थानाभवन में 66.82, ऊन में 65.64, झिंझाना में 69.63, गढीपुख्ता में 69.3, जलालाबाद में 68.17, एलम में 71.45, बनत में 68.44 प्रतिशत मतदान रहा। पूरे जिले में तीनों पालिकाओं व सात

नगर पंचायतों की अगर बात करें तो सुबह 9 बजे 12.6, सुबह 11 बजे तक 27.5, दोपहर 1 बजे तक 41.08, तीन बजे तक 51.67, शाम पांच बजे तक 62.41 प्रतिशत रहा। कुल मिलाकर जिले का कुल मतदान प्रतिशत 65.02 प्रतिशत रहा।

फर्जी मतदान कर रहे 5 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

थानाभवन, 4 मई (बु.)। निकाय चुनाव के चलते थानाभवन पुलिस ने फर्जी मतदान करने के मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले एक व्यक्ति के घर पर भी पुलिस ने छापेमारी करते हुए एक व्यक्ति को कुछ फर्जी आधार कार्ड के साथ गिरफ्तार कर लिया, जबकि मौके से कुछ लोग फरार भी हो गए। पुलिस पूरे मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही कर रही है। थानाभवन पुलिस ने निकाय चुनाव के चलते अलग-अलग मतदान केंद्रों पर चेकिंग के दौरान कई लोगों को फर्जी मतदान करते हुए पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार विपुल कुमार पुत्र रविंद्र मकतब स्कूल मतदान केंद्र ,विक्की पुत्र ओमपाल मोमदीगंज जलालाबाद गुरुनानक इंटर कॉलेज मतदान केंद्र, मोहम्मद आजम मलिक पुत्र बशीर गुरु नानक इंटर कॉलेज मतदान केंद्र, बबलू पुत्र जीतपाल प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 रोजी पुत्री हाजी शमशेर खान मोहमदी गंज गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान करते हुए पकड़े गए हैं, जिनके खिलाफ पुलिस वैधानिक कार्रवाई कर रही है। वहीं शामली पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फर्जी मतदान करने के मामले में जलालाबाद कस्बे से अलग-अलग मतदान केंद्रों से 5 लोगों को फर्जी मतदान करते हैं, गिरफ्तार किया गया है। जिनमें से कुछ लोग फर्जी आधार कार्ड पर मतदान करते पकड़े गए है। जानकारी के बाद कस्बे के ही अय्यूब राजा का फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले छापेमारी की गई। मौके से सारिक नाम के एक व्यक्ति को 6 फर्जी आईडी के साथ गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मौके से कुछ लोग फरार भी हो गए। पुलिस फर्जी आधार कार्ड बनाने को लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

स्थानीय नेता के करीबी के घर फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की चर्चा

शामली। पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड पर फर्जी मतदान करने के मामले में शिकायत के बाद जलालाबाद कस्बे के एक स्थानीय नेता के करीबी रिश्तेदार के घर पर फर्जी आधार कार्ड तैयार करने के मामले में छापेमारी की। पुलिस को आया देख आधार कार्ड तैयार कर रहे करीब आधा दर्जन लोग मौके से लैपटॉप एवं कुछ मोबाइल आदि लेकर फरार हो गए। जबकि एक व्यक्ति सारिक को वहां से हिरासत में ले लिया गया। जिसके बाद चर्चा इंटरनेट मीडिया में व कस्बे में फैल गई। मामले का संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई के आदेश दिए। अब पुलिस अधीक्षक के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है। फिलहाल स्थानीय नेता के करीबी रिश्तेदार के घर फर्जीवाड़े से आधार कार्ड बनाकर फर्जी मतदान करने का मामला हैरत में डालने वाला है।

चरथावल में 73.42 फीसदी हुई वोटिंग

चरथावल, 04 मई (बु.)। चरथावल में नगर पंचायत चेयरमैन और 14 सभसदों के लिए मतदान शांतिपूर्वक हुआ। यहा पांच मतदान केंद्रों पर 19 बूथों पर जमकर मतदान हुआ। युवाओं में पहली बार मतदान करने वाले प्रफुल्लित थे। कस्बे में 73.42 फीसदी रिकॉर्ड मतदान हुआ। मतदान के दौरान आधार कार्डो के फर्जी होने की शिकायत शाम तक बूथों पर चलती रहीं। जय हिंद इंटर कॉलेज, प्राइमरी पाठशाला, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, गांधी बालिका इंटर कॉलेज एवं गांधी इंटर कॉलेज में चुनाव कराया गया। गांधी बालिका पर सुबह से महिला मतदाताओं की कतार लग गई थी। जय हिंद कॉलेज पर फर्जी आधार कार्ड पर मतदान का आरोप लगता रहा। आर्य कन्या इंटर कॉलेज प्रांगण में एजेंट बनाने को लेकर दो उम्मीदवारों के समर्थकों में झड़प हुई। थाना प्रभारी राकेश

शर्मा ने दोनों पक्षों को सख्त हिदायत दी। फर्जी मतदान करने के आरोप शाम तक बूथों पर लगते रहे। पहली बार मतदान करने पहुंची इशिता, काजल, हनु आदि का जोश देखते ही बनता था। उन्होंने विकास के नाम पर मतदान किया। कस्बे में इस्लामुद्दीन त्यागी, पूर्व चेयरमैन सुधीर सिंघल और सतेंद्र त्यागी के बीच तिकोना मुकाबला माना जा रहा है।

अलर्ट मोड़ पर दिखा पुलिस-प्रशासन, क्षेत्र में घूमते रहे अफसर

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। नगर निकाय चुनाव में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते गुरूवार को मतदान के दौरान पुलिस अलर्ट मोड़ पर दिखाई दी। इस दौरान जहां एक ओर अधिकारी क्षेत्र में घूमते रहे। वहीं हर स्थिति पर नजरें बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग से पहुंचे प्रेक्षक रणवीर प्रसाद के साथ ही मेरठ रेंज के एडीजी राजीव सभरवाल ने इस बीच नगर निकायों में संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। मुजफ्फरनगर नगर निकाय में जनपद की दो नगरपालिका परिषद के अलावा 8 नगर पंचायतों में इस बीच पुख्ता इंतजाम किए जाने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही निकाय चुनाव को निविघ्न एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने की दिशा में शुरू कवायदों के बीच में जिले में कुल 170 संवेदनशील, अति संवेदनशील और अति संवेदनशील प्लस केंद्र बनाए गए थे। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए दोपहर में एडीजी राजीव सभरवाल नगर में पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एसएसपी संजीव सुमन, एसपी सिटी सत्य नारायण, एसपी देहात अतुल श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह भी मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर नगर में मतदान के दौरान एडीजी ने कई संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पहुंच कर पुलिस को सतर्कता से ड्यूटी करने, शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसएसपी संजीव सुमन, एसपी सिटी सहित ने सभी पुलिस अधिकारियों ने मतदान शुरू होने के बाद से जिले का भ्रमण करना शुरू कर दिया था। वहीं डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी, एडीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर सिंह ने भी जिले के कई मतदान केंद्रों का भ्रमण करने के साथ व्यवस्था को दुरूस्त किए जाने के साथ ही फर्जी मतदान को रोकने की खातिर सख्ती किए जाने के निर्देश दिए।

मीरापुर में शांतिपूर्वक तरीके से 70.01% मतदान हुआ

मीरापुर, 4 मई (बु.)। नगर निकाय चुनाव में मीरापुर कस्बे में शांतिपूर्ण तरीके से 70.01% मतदान हुआ। दो निर्दलीय प्रत्याशियों व भाजपा और बसपा प्रत्याशियों के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। सीओ सिटी हेमन्त कुमार व तहसीलदार भारी पुलिसफोर्स के साथ मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर सभासद प्रत्याशियों के बीच तीखी झड़प भी हुई। पुलिस ने फर्जी मतदान करते हुए कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने बैठाए रखा। मीरापुर कस्बे में बने कुल 13 मतदान केंद्रों पर बने 31 बूथों पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया था।

मीरापुर

सुबह-सुबह मतदाताओं में भारी उत्साह दिखाई पड़ा तथा मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें लग गई थी, किन्तु दोपहर होने तक मतदाताओं में उत्साह कम होने लगा तथा दोपहर में मतदान केन्द्र खाली नजर आने लगे। दोपहर बाद एक बार फिर मतदाताओं की भारी भीड़ मतदान केंद्रों पर लग गई तथा युवा, बुजुर्ग व महिला वोटर घरों से निकलकर मतदान करने पहुँचे। चुनाव में चेयरमैन पद के दो निर्दलीय प्रत्याशियों जमील मलिक व जीशान शिबली के साथ साथ भाजपा प्रत्याशी नवीन सैनी व बसपा प्रत्याशी गौरव त्यागी के बीच कड़ी टक्कर होने से मुकाबला चहुकोणीय बन गया। मतदान के दौरान सीओ सिटी हेमन्त कुमार व तहसीलदार संजय सिंह लगातार मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। मतदान के दौरान कस्बे के सुक्खन लाल आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में फर्जी मतदान को लेकर दो सभासद प्रत्याशियों में तीखी झड़प हो गई, जिन्हें पुलिस ने धमकाकर पुलिस ने मामला शांत कराया।

फर्जी आधार कार्ड बनाने की सूचना पर पुलिस ने कम्प्यूटर की दुकान पर छापा मारा

मीरापुर, 4 मई (बु.)। कस्बे के वार्ड 14 में एक सभासद प्रत्याशी के समर्थन में एक कम्प्यूटर सेंटर संचालक द्वारा फर्जी आधार कार्ड तैयार करने की सूचना पर पुलिस ने एक दुकान पर छापा मारकर कम्प्यूटर, प्रिंटर व अन्य सामान सहित कुछ आधार कार्ड कब्जे में ले लिये, जबकि सभासद प्रत्याशी व कम्प्यूटर संचालक मौके से फरार हो गये। गुरूवार को नगर निकाय चुनाव के दौरान वार्ड 14 के एक सभासद प्रत्याशी द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी थी कि उसी के वार्ड निवासी एक सभासद प्रत्याशी एक कम्प्यूटर संचालक से फर्जी आधार कार्ड तैयार कराकर फर्जी वोट डलवा रहा है तथा उसी के द्वारा तैयार किये गए फर्जी आधार कार्ड से एक महिला फर्जी मतदान करने आई है, जिस पर पुलिस ने महिला के आधार कार्ड की जांच की, तो वह एक मृतका के नाम था तथा उस पर वोट डालने आई महिला का नाम था। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर महिला पुलिस से अभद्रता करने लगी, जिस पर महिला पुलिसकर्मियों ने उक्त महिला को थाने ले जाकर बैठा दिया, जिसके बाद पुलिस ने कम्प्यूटर संचालक की दुकान पर छापा मारा, तो कम्प्यूटर संचालक व आरोपी सभासद प्रत्याशी मौके से फरार हो गये। पुलिस ने मौके से दो युवकों को कम्प्यूटर, प्रिंटर व कुछ आधार कार्ड के साथ कब्जे में ले लिया। मीरापुर इंस्पेक्टर ने किसी को भी हिरासत में लिए जाने से इंकार किया।

खतौली मे शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ चुनाव

-लगभग 65 प्रतिशत हुआ मतदान

खतौली, 04 मई (बु.)। शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुए निकाय चुनाव में लगभग 65 प्रतिशत मतदान के पश्चात सभी प्रत्याशियों का भाग्य जहां मतपेटियों में बन्द हो गया, वहीं मतदान के पश्चात प्रत्याशियों के समर्थकों में कुल पड़े मतों के आधार पर हार-जीत का गुणाफल का दौर शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष व सभासदों के पद हेतु गुरूवार को नगर में मतदान केन्द्रों पर शान्तिपूर्वक मतदान हुआ। शान्ति व्यवस्था को संज्ञान में लेकर जहां मतदान केन्द्रों पर भारी पुलिस बल तैनात ब्बना रहा, वहीं उपजिलाधिकारी, सीओ डॉ. रविशंकर, कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार स्वयं मतदान केन्द्रों पर निगरानी बनाये रहे। इस दौरान कुछ मतदान केन्द्रों पर फर्जी मतदान को लेकर प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच छुटपुट नोंक--झोंक के अलावा नगर क्षेत्र में निश्चित समय तक लगभग 65 प्रतिशत मतदान हुआ, जो सन 2017 में सम्पन्न हुए निकाय चुनाव मतदान से लगभग 8 प्रतिशत कम रहा।

मतदान के दौरान जहां कई मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लम्बी-लम्बी लाइन लगी रही, वहीं कई मतदान केन्द्रों पर दोपहर तक मतदान की गति धीमी दिखायी पड़ी। सायंकाल सम्पन्न हुए मतदान के पश्चात जहां अधिकांश प्रत्याशियों द्वारा अपनी-अपनी जीत का दावा ठोंका जा रहा है, वहीं मतदान के दौरान पड़े मतों के आधार पर प्रत्याशियों के समर्थकों द्वारा मतों का गुणा-भाग करते हुए हार-जीत की चर्चाओं का सिलसिला बाजारों में सुनाई पड़ने लगा है, जबकि हार-जीत का निर्णय तो आगामी 13 मई को होने वाली मतगणना के पश्चात ही स्पष्ट हो पायेगा कि किसके सिर जीत का सेहरा बंधेगा तथा किसको मायूसी -िलनी पड़ेगी।

जब फर्जी मतदान की सूचना पर दौड़े निरीक्षक

बुढ़ाना, 4 मई (बु.)। बुढ़ाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा को जैसे ही स्वामी कल्याण देव गर्ल्स कॉलेज बुढ़ाना में लगे कई वार्डो के एक बूथ पर फर्जी मतदान होने की सूचना मिली, तो वह तुरंत दौड़े हुए मौके पर आए, तो वहां पर मौजूद वार्ड नंबर 10 के सदस्य पद के भाजपा उम्मीदवार रविन्द्र सैनी ने बताया कि अभी जो लोग यहां पर वोट डालकर गये हैं। उनकी वोट समीपवर्ती गांव में भी है, तो इस पर कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि फर्जी वोट डालने का प्रयास किया जा रहा है। अगर वोटर लिस्ट में यहां पर किसी की वोट है, तो फिर उसको वोट डालने का पूरा अधिकार है। अब उसकी गांव में भी वोट है या नहीं इस बात की शिकायत आप पीठासीन अधिकारी को भी कर सकते हैं। हंगामा करने या खुद डिसीजन लेने की कोई जरूरत नहीं है। हमारा उद्देश्य शांति बनाए रखना है, जिस पर भाजपा प्रत्याशी शांत हुए। इस दौरान यहां पर एसपी देहात अतुल कुमार शर्मा, एसडीएम बुढाना अरुण कुमार श्रीवास्तव, सीओ विनय गौतम, क्राइम इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार सहित अन्य कई अधिकारियों ने भी दौरा किया और कहा कि जो वोट डाल चुका है, वह बाहर जाए। कोई भी फालतू में किसी से भी बहस ना करें। कोई भी भीड़ न लगाएं और अफवाहों से बचें।

वोट डालने के बाद उत्साहित लोग अपनी खुशी का इजहार करते हुए। -फोटो बुलेटिन

जानसठ में हुआ 73.97% मतदान

जानसठ, 04 मई (बु.)। नगर पंचायत चुनाव में एक मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान कराने के आरोप को लेकर भाजपा प्रत्याशी और गठबंधन प्रत्याशी के बीच नोंकझोंक हो गई, जिसको लेकर हंगामा खड़ा हो गया। मौके पर पहुंचे सीओ शकील अहमद ने दोनों प्रत्याशियों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इसके अलावा तीखी नोकझोंक के बाद शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। जानसठ में 73.97 प्रतिशत मतदान हुआ। बृहस्पतिवार को मतदान के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्रवेंद्र भड़ाना बसायच रोड पर स्थित रामचंद्र स्वावलंबी पब्लिक स्कूल में स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे, जहां पर भाजपा प्रत्याशी ने मतदान केंद्र में मौजूद अभिकर्ताओं पर फर्जी मतदान करवाने का आरोप लगाया। इसी दौरान गठबंधन प्रत्याशी आबिद हुसैन भी मतदान केंद्र के अंदर पहुंच गए। फर्जी मतदान कराने के आरोप को लेकर भाजपा प्रत्याशी और गठबंधन प्रत्याशी के बीच नोकझोंक हो गई, जिसको लेकर मतदान केंद्र में हंगामा खड़ा हो गया। इसी दौरान मौके पर पहुंचे सीओ शकील अहमद ने दोनों प्रत्याशियों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया और उनको मतदान केंद्र के अंदर से बाहर भेजा। भाजपा और गठबंधन प्रत्याशियों के बीच नोकझोंक के बाद कस्बे में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। शाम 6 बजे तक मतदान चला। शाम 6 बजते ही पुलिस अधिकारियों ने मतदान केंद्रों के गेट बंद करवा दिए थे। जानसठ नगर पंचायत में 73.97 प्रतिशत मतदान हुआ।

शाहपुर में 18889 मतों में से 13889 ने वोट डाले

-कुल वोटों से 5000 वोट कम पड़े -शाहपुर में 73. 52% मतदान हुआ

शाहपुर, 04 मई (बु.)। शाहपुर में गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष पद एवं तरह वार्ड सभासदों के चुनाव में कुल 73.52% मतदान हुआ नगर के कुल 18889 मतदाताओं में से 13889 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार कुल 5000 मतदाता अपने वोट के अधिकार से वंचित रहे। नगर में कुल 9 मतदान केंद्रों पर 22 मत देय स्थल बनाए गए थे। नगर के वार्ड संख्या 1 में 987 में से 750 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया इस प्रकार यहां मतदान का प्रतिशत 76% रहा। वार्ड संख्या 2 में 2 भाग के जिनमें एक में 975 में से 760 वोट पड़े, यहां मतदान का प्रतिशत 78 परसेंट रहा, जबकि दूसरे भाग में 613 वोटों में से 466 मत पड़े, इसमें मतदान 76% रहा। कुल मिलाकर वार्ड संख्या 2 में 1588 में से 1226 मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। वार्ड संख्या 3 में भाग 1 में 755 में से 565 में अपने वोट डालें यहां मतदान प्रतिशत रहा। दूसरे भाग में 985 में 811 ने वोट डाले, यहां मतदान का प्रतिशत 82.33 प्रतिशत रहा। वार्ड संख्या 3 में कुल 1740 में से 1376 वोट पड़े। नगर के सबसे

बड़े वार्ड संख्या 4 में 3106 में से 2254 अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वार्ड संख्या 4 के भाग 1 में 1118 में से 792 ने वोट डाले यहां मतदान का प्रतिशत70.84 रहा।

भाग संख्या 2मे 1040 मे से 762 ने वोट डाले मतदान का प्रतिशत 73.23 रहा। इसी वार्ड के भाग संख्या 3 में 948 में से 700 वोट डाले मतदान का प्रतिशत 73.80% रहा। वार्ड संख्या 5 में 1150 में से 969 ने वोट डाले, यहां मतदान का प्रतिशत 84 रहा। वार्ड संख्या 6 में 995 में से 617 ने वोट डाले, यहां प्रतिशत 68 रहा वार्ड संख्या 7 में 1085 में से 805 ने वोट डाले। यहां 74% वोट पड़े वार्ड संख्या 8 के भाग संख्या 1 में 773 में से 547 में वोट डालें। इसके दूसरे भाग में 740 में से 549 वोट पड़े। इस प्रकार वार्ड संख्या 8 में 1513 में से 1096 ने अपने वोट डाले। वार्ड संख्या 9 में भाग संख्या 1 में 853 में से 713 वोट डालें मतों का प्रतिशत 83.58 रहा। इसी वार्ड के भाग संख्या 2 में 881 में से 745 वोट पड़े, यहां मतों का प्रतिशत 84.56 रहा। इस प्रकार वार्ड संख्या 9 में कुल 1734 वोटों में से 1458 ने अपने वोट डाले। वार्ड संख्या 10 में 793 में से 639 ने वोट डाले, मत प्रतिशत 80.50 रहा। वार्ड संख्या 11 के भाग 1 में 714 में से 359 वोट पड़े, यहां सबसे कम मत प्रतिशत 50.28 रहा। इसके दूसरे भाग में 963 में से 596 ने वोट डाले, मत प्रतिशत 61.88 रहा।

इस प्रकार वार्ड 11 में 1677 में से 955 वोट डालें। वार्ड संख्या 12 में भाग संख्या 1 में 642 में से 472 में वोट डालें, मतों का प्रतिशत 73.50 रहा। इसी वार्ड के भाग संख्या 2 में 630 में से 481 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतों का प्रतिशत 78.34 रहा। वार्ड संख्या 12 में कुल 12 72 में से 953 ने अपने मतों का प्रयोग किया। वार्ड संख्या 13 के भाग संख्या 1 में 642 में से 440 में वोट डालें, मतों का प्रतिशत 69 रहा। भाग संख्या 2 में 615 में से 445 में वोट डाले मतों का प्रतिशत 72 रहा। इस प्रकार वार्ड संख्या तेरह में कुल 1257 में से 891 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल मिलाकर नगर में 18889 वोटों में से 13889 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 5000 मतदाताओं ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। मतों का कुल प्रतिशत 73.52 प्रतिशत रहा।

गैंगस्टर अनिल दुजाना एनकाउंटर में मारा गया

मेरठ में भोला झाल के पास हुई मुठभेड़, 18 मर्डर समेत 62 केस दर्ज थे

मेरठ, 4 मई (एजेंसी)। गैंगस्टर अनिल दुजाना एनकाउंटर में मारा गया। मुठभेड़ के समय अनिल दुजाना सफेद रंग की स्कॉर्पियो में था। बताया जा रहा है कि वह बागपत अपनी ससुराल जा रहा था। तभी मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ ने उसे जानी भोला की झाल के पास घेर लिया। इसके बाद उसने एसटीएफ टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में वह मारा गया। एनकाउंटर के बाद फोरेंसिक की टीम ने जब उसकी गाड़ी की चेकिंग की उसमें से कई हथियार मिले हैं।

कुख्यात अनिल दुजाना को गुरुवार को मेरठ में मुठभेड़ में मार गिराया। बताया गया कि मेरठ में भोला झाल पर सक्रिय होने की पुख्ता जानकारी होने के बाद एसटीएफ ने उसे चारों ओर से घेर लिया था। इस दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस की टीम ने उसे चारों ओर से घेर लिया। इसी बीच पुलिस की गोली लगने से वह ढेर हो गया। एक सप्ताह पहले ही कुख्यात अनित दुजाना जमानत पर जेल से बाहर आया था। बताया गया कि उसके जेल से बाहर आने पर लोगों में दहशत थी। जहां कुख्यात अनित दुजाना मुठभेड़ में मारा गया है, उस जगह से 32 बोर और अन्य हथियार के 16 खोके बरामद हुए हैं।

दुजाना का आतंक पश्चिमी यूपी के अलावा दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा में भी था। उस पर बुलंदशहर पुलिस ने 25 हजार और नोएडा पुलिस ने 50 हजार का इनाम रखा था। उस पर साल 2002 में पहला मामला गाजियाबाद के कविनगर थाने में हत्या का दर्ज हुआ था। उस पर गाजियाबाद के हरबीर पहलवान की हत्या का आरोप था। 2011 में नोएडा के एक मामले में उसे 3 साल की सजा सुनाई गई थी। जेल से बाहर आते ही दुजाना ने जयचंद प्रधान हत्याकांड में उसकी पत्नी और गवाह संगीता को धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ पिछले हफ्ते 2 मुकदमे दर्ज किए थे। नोएडा पुलिस और यूपी एसटीएफ अनिल दुजाना की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। पिछले दिनों 7 टीमों ने 20 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की थी। लेकिन, दुजाना हाथ नहीं लगा। क्राइम ब्रांच का दावा है कि दुजाना मंडावली के एक बिजनेसमैन की हत्या के इरादे से घूम रहा था। वहीं, पुराने केस में पेश नहीं होने से दुजाना के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। पश्चिमी यूपी में गैंगवॉर की शुरूआत महेंद्र फौजी और सतबीर गुर्जर गैंग के जमाने में हुई। इसके बाद सुंदर भाटी और नरेश भाटी गैंग के बीच गैंगवॉर होने लगी। दोनों सतबीर गुर्जर के गुर्गे थे। सुंदर भाटी ने 2004 में जिला पंचायत अध्यक्ष बन चुके नरेश भाटी की हत्या कर दी। इसके बाद नरेश भाटी के भाई रणदीप और भांजे अमित कसाना ने बदला लेने की ठानी। इस काम में उन्होंने दुजाना को भी शामिल किया। साहिबाबाद स्थित भोपुरा में नवंबर, 2011 को सुंदर भाटी के साले की शादी थी। वहां पहुंचकर रणदीप, अनिल दुजाना और कसाना ने एक-47 से फायरिंग की। इसमें तीन लोग मारे गए, लेकिन सुंदर भाटी बच निकला था। तब से वह पश्चिमी यूपी में चर्चा में आ गया था। अनिल दुजाना तिहरे हत्याकांड में जनवरी, 2012 में पकड़ा गया। इसी बीच सुंदर भाटी गैंग ने जनवरी, 2014 में उसके घर पर हमला किया। फायरिंग में दुजाना के भाई जय भगवान की मौत हो गई। पिता ने सुंदर भाटी समेत 8 लोगों को नामजद कराया था। इसके बाद दुजाना गैंग ने सुंदर के गुर्गे राहुल का मर्डर कर दिया था।

दिल्ली के कारोबारी से मांगी थी रंगदारी

दुजाना के गुर्गों ने जनवरी, 2019 को दिल्ली के नंदनगरी के कारोबारी से 50 लाख की रंगदारी मांगी थी। वह 9 साल बाद जनवरी, 2021 में जमानत पर बाहर आया था। फरवरी 2021 में उसने बागपत की पूजा से शादी कर ली। 16 अक्टूबर, 2021 में सिकंदराबाद के एक कारोबारी से एक करोड़ की रंगदारी मांगी। साथ ही खेड़ी गांव के प्रधान जयचंद हत्याकांड में गवाह उनकी पत्नी को भी धमकाया। इन दोनों केसों में वह वॉन्टेड चल रहा था।

छिन्न-भिन्न दिखा प्रत्याशियों का बूथ मैनेजमेंट

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। नगर पालिका के आज हुई मतदान में तमाम राजनीतिक दलों की रणनीति छिन्न भिन्न दिखाई दी। भाजपा को सबसे मजबूत संगठन माना जा रहा था, लेकिन इसकी स्थिति भी अस्तव्यस्त नजर आई। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी की स्थिति भी कुछ कम नहीं थी। कुछ इलाकों में स्थानीय कारणों से उनकी व्यवस्था मजबूत देखी गई। बसपा और कांग्रेस तो इस मामले में जीरो साबित हुई। जाहिर है कि इसका असर ना केवल मतदान प्रतिशत पर हुआ, वहीं अपने गढ़ों में ही राजनीतिक दलों को मतदाता को जगाने में कामयाबी नहीं मिली।

नगर पालिका चुनावों में तमाम राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों की परीक्षा थी, वहीं इन दलों के संगठन को भी परीक्षा के दौर से गुजरना था। रोज संगठन को दौड़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी को इस मामले में सबसे मजबूत माना जा रहा था। एक बूथ बीस यूथ, पन्ना प्रमुख और वार्ड ईकाईयों तक बड़े संगठन का दावा करने वाली भाजपा का बूथ मैनेजमेंट आज छिन्न भिन्न नजर आया। कई स्थानों पर तो उसके कार्यकर्ता काफी कमजोर नजर आए। मतदाता को बूथ तक पहुंचाने की व्यवस्था में भी संगठन लचर दिखाई दिया। इसका परिणाम यह रहा है कि जिन बूथों को भाजपा का

एक बूथ बीस यूथ और पन्ना प्रमुख भी नहीं निकाल पाए वोटर

निखालिस इलाका माना जा रहा था, वहां भी मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। बनिस्पत इसके कि कई वार्डों में भाजपा के अपने प्रत्याशियों के अलावा उसके ही कार्यकर्ता मैदान में थे, जो लगातार नीचे अपने और ऊपर भाजपा के लिए वोट मांग रहे थे। लेकिन इसके बावजूद मत प्रतिशत को ना बढ़ा पाना पार्टी के रणनीतिकारों के लिए हताशा का कारण बना है। इन इलाकों में मत प्रतिशत कम होना पार्टी के चाहने वालों को भी चुनाव नतीजों को लेकर आशंकित कर रहा है। दूसरी और समाजवादी पार्टी, जिसे संगठन के मामले में भाजपा से काफी कम आंका जा रहा था, वहां स्थिति थोड़ी अलग रही। इस बार तमाम मतदान केंद्रों पर उसके एजेंटों व समर्थकों की उपस्थिति रही। हाल तक मुस्लिम मुहल्लों में सिमटे रहने वाली समाजवादी पार्टी की कुछ इलाकों में तो खासी मजबूत कार्यप्रणाली देखी गई। इनमें वे इलाके शामिल हैं, जिन्हें ब्राह्मण या जाट बहुल माना जा रहा है। इससे लगा कि भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाने की उसकी रणनीति काफी हद तक कामयाब रही। कई इलाकों में वार्डों में उसके प्रत्याशी ना होने के बावजूद सपा प्रत्याशी का वोट प्रबंधन मजबूत नजर आया। कुछ वार्डों में गैर भाजपाई वार्ड उम्मीदवार भी सपा के लिए सहायक बने। इनमें रालोद और आसपा के समर्थक वार्ड प्रत्याशियों के इलाके भी शामिल हैं। इसका सपा की चेयरमैन प्रत्याशी को भी खासा लाभ मिला। इसके उलट बसपा और कांग्रेस तो लगभग पूरे शहर में गायब ही नजर आई। इसमें कुछ इलाकों को छोड़ इन दोनों पार्टियों के समर्थक तो दूर बस्ते तक नजर नहीं आए। ऐसे में इन इलाकों में उनके समर्थक सपा प्रत्याशी के लिए काम करते नजर आए। सपा को इन दोनों दलों की कमजोरी का सीधा लाभ मिलता नजर आया।

दिव्यांग व बुजुर्गो ने दिखाया उत्साह, मतदान को किया प्रेरित

मुजफ्फरनगर। निकाय चुनाव में मतदान करने लिए भले ही आम-ओ-खास में मायूसी देखने को मिली, लेकिन इस बीच बुर्जुर्गो व दिव्यांगों में विशेष उत्साह रहा। शहर से लेकर विभिन्न कस्बों तक हर क्षेत्र में इस बीच बड़ी संख्या में दिव्यांगों के साथ बड़े बुर्जुगों ने अपने मत का इस्तेमाल किया। नई मंडी स्थित जैन कन्या इंटर कॉलेज में पहुंचे दिव्यांग रामफल सिंह ने कहा कि उन्होंने नगर के विकास के लिए मताधिकार का इस बार प्रयोग किया। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में पहुंची दिव्यांग ने अपने मत का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र के इस महायज्ञ में सही प्रतिनिधि को चुनने की पहल करते हुए इस बीच लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही इन्दिरा कालोनी कच्ची सड़क की बुजुर्ग महिला ने अपने पौते के साथ त्यागी धर्मशाला भवन में पहुंचकर अपने मत का प्रयोग किया। इसके अलावा डीएवी इंटर कॉलेज, ग्रेन चैंबर पब्लिक स्कूल समेत कई अन्य मतदान केंद्रों पर दिव्यांगों द्वारा उत्साह के बीच बूथों पर पहुंचकर इस बीच मतदान कर लोगों ने ज्यादा से ज्यादा मत का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अच्छे प्रत्याशी के लिए अपने मत का प्रयोग किया। मालवीय चौक स्थित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज में इस बीच मतदान करने पहुंची 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने भी उम्र के इस पड़ाव पर वोट के अधिकार का महत्व लोगों को समझाने का काम किया।

मुजफ्फरनगर आ रहा था अनिल दुजाना, कि....

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। अनिल दुजाना के एनकाउंटर के बाद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया, दोपहर तीन बजे भोला की झाल के पास एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड हुई। वह अपने साथी से मिलने बागपत से मुजफ्फरनगर जा रहा था। मुजफ्फरनगर से उसका पुराना नाता है।

कुख्यात अनिल दुजाना ने जिला कारागार में परीक्षितगढ़ के कर्नल गिरी, किनौनी के नीरज, अलीपुर के मोनू गुर्जर को मिला लिया था। इससे मेरठ और मुजफ्फरनगर में भी वह वारदात अंजाम देने लगा था। छपार के रोबिन त्यागी और अमन उर्फ माया त्यागी के साथ नजदीकियों के चलते कुख्यात अनिल दुजाना की छपार थाना क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी। खाद व्यापारी संजीव त्यागी का प्रधान पद के चुनाव को लेकर रोबिन त्यागी पक्ष से मनमुटाव हुआ। इसके बाद संजीव त्यागी को दस लाख की रंगदारी की चिट्ठी भेजी गई। रंगदारी नहीं मिली तो अनिल दुजाना ने गैंग ने आठ जनवरी 2012 को दिन निकलते ही छपार में दुकान खोल रहे खाद व्यापारी संजीव त्यागी की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। आरोपी अमित और अनिल दुजाना को इसी दिन शाम को ही पुलिस ने मुठभेड़ में आधुनिक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। व्यापारी संजीव त्यागी की हत्या के मुकदमे में गवाह उसके भाई राजीव त्यागी की 18 अक्टूबर 2013 को पुलिस अभिरक्षा में सुबह के समय दुकान खोलते हुए गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान दुजाना गैंग का सुशील जाट पुलिस की गोली लगने से मारा गया था। जिस समय संजीव त्यागी की हत्या की थी, उस समय अनिल दुजाना पर पचास हजार का इनाम था। छपार में अनिल दुजाना पर सात मुकदमे दर्ज किए गए थे। दुजाना गिरोह ने अत्याधुनिक हथियारों से खाद व्यापारी पर हमला किया था। पीड़ित पक्ष के घर पर पांच सिपाही और डेढ़ सेक्शन पीएसी तैनात थी। इसके बावजूद भी गिरोह के सदस्यों ने व्यापारियों के घर दो बार फायरिंग की थी। जिला कारागार में वर्चस्व को लेकर विक्की त्यागी की अनिल दुजाना से अदावत हो गई थी। यही वजह है कि विक्की त्यागी ने मंसूरपुर में दुजाना गैंग के रोबिन त्यागी पर पुलिस सुरक्षा में हमला कराया था। इस हमले में सिपाही मारा गया था।

छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण रहा मतदान

- सनातन धर्म सभा मतदान केन्द्र पर लाठियां चलाने पर महिला ने किया हंगामा
- अस्पताल गेट पर फर्जी मतदान को लेकर हुई -झड़पें, वीडियो हुआ वायरल
- वार्ड-33 के एक बूथ पर भी फर्जी वोट डालने को लेकर थोड़ी देर रहा विवाद

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। नगर पालिका परिषद् के आज हुए मतदान के दौरान शहर के अनेक स्थानों पर छिटपुट हंगामे के बीच पुलिस द्वारा लाठियां फटकारने के साथ ही चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। सनातन धर्म सभा के बाहर बने मतदान केन्द्र पर पुलिस के लाठियां चलाने पर महिलाओं ने काफी देर हंगामा किया। नगरपालिका चुनाव में मतदान के दौरान चाक चौबंद व्यवस्था नजर आई। तमाम बूथों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ अधिकारियों की टीम भी दिनभर इधर से उधर दौड़ लगाती रही। जिलाधिकारी अरविन्द मल्लप्पा बंगारी और एसएसपी संजीव सुमन ने शहर के कई बूथों पर भ्रमण किया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन नरेन्द्र बहादुर सिंह, एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत और सीओ सिटी आयुष विक्रम सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट विकास कश्यप लगातार भ्रमण कर स्थिति पर निगाहें गडाये रहे। मतदान केन्द्रों के बाहर जमा भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को कई जगह लाठियां भी फटकारनी पड़ी। सनातन धर्म सभा भवन के सामने मतदान केन्द्र पर दो युवकों पर लाठियां चलाने पर उनके परिवार के महिलाओं ने जमकर हंगामा किया। इसी दौरान सपा प्रत्याशी के प्रति राकेश शर्मा भी वहां आ गये। राकेश शर्मा ने युवकों की पिटाई किये जाने को लेकर पुलिस से कड़ी नाराजगी जताई। बाद में अधिकारियों ने आकर मामला शांत करा दिया। अस्पताल गेट पर भी फर्जी वोट डालने को लेकर दो पक्षों में तीखी नोंक-झौंक हुई। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। गांधी कालोनी गर्ल्स इण्टर कॉलेज मतदान केन्द्र पर दूसरा गेट न खोलने को लेकर भी विवाद हुआ। सपा प्रत्याशी लवली शर्मा ने अधिकारियों से मिलकर गेट बंद करने पर अपनी नाराजगी जताई। इसी तरह पुलिस को सूजडू, कच्ची सड़क, मेरठ रोड स्थित जैन कन्या डिग्री कॉलेज पर जमा भीड़ को कई बार दौड़ाना पड़ा। एसपी सिटी सत्य नारायण प्रजापत ने बताया कि पालिका क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। उन्होंने

मुर्दों की पर्चियां, जिन्दा ढूंढते रहे अपनी वोट

- नगरपालिका चुनाव की मतदाता सूची में देखने को मिला अजीबो गरीब खेल
- शहर में कहीं मतदाता सूची से पूरा परिवार ही गायब, कहीं एक परिवार दो वार्डों में बंटा

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। नगर पालिका चुनाव के दौरान मतदाता सूची में अजीबो गरीब खेल सामने आया है। पांच से दस साल पहले परलोक सिधार गये लोगों की वोटिंग पर्चियां तो उनके घर तक पहुंची, लेकिन जिन्दा लोग अपनी वोट डालने के लिए घर से बूथ तक पर्चियां तलाशते हुए भटकते रहे। इसके साथ ही कई मतदाता सूची में पूरा परिवार ही गायब दिखाई दिया तो कई परिवार ऐसे भी रहे, जिनमें एक परिवार की वोटों को दो वार्डों में बांट दिया गया। इसको लेकर मतदाताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और कुछ लोगों ने तो वोट कटने पर अधिकारियों के समक्ष भी रोष जताया। मतदान के दौरान मुर्दों की वोटिंग पर्ची का मामला कई बूथों पर सामने आया। गांधी कालौनी के एक परिवार के तीन बेटों के नाम मतदाता सूची में गायब थे, लेकिन उनके परिवार के तीन लोगों के नामों से वोटिंग पर्चियां घर तक पहुंची। इसमें अजीब मामला यह है जिन तीन लोगों के नाम की वोटिंग पर्ची घर पहुंची, परिवार में वो तीनों ही वर्तमान में मौजूद नहीं थे। ये तीनों लोग कई वर्ष पूर्व स्वर्ग सिधार चुके हैं। ऐसा ही मामला सनातन धर्म सभा भवन के बराबर में स्कूल में बने मतदान केन्द्र पर भी सामने आया। यहां पर भी परलोक सिधार चुके पिता का वोट तो था, लेकिन बेटा अपना वोट ढूंढता ही रह गया, जबकि उसकी मां ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ऐसा ही एक अन्य मामला कच्ची सड़क के एक बूथ पर भी सामने आया है। घर के मुखिया का साल 2002 में निधन हो गया था, जिसका वोट अब तक आ रहा है। यही नहीं सैंकड़ों की संख्या में मतदाता अपने वोट के लिए इधर से उधर भटकते नजर आये। ऐसा कोई बूथ नहीं था, जहां पर मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गायब न हों। जागरुक मतदाता बूथ तक गये और अपना विरोध भी जताया। उनका कहना था कि पिछले पालिका चुनाव में उन्होंने मतदान किया था, लेकिन इस बार उनका नाम ही गायब है। मौहल्ला अबुपुरा के 36 लोगों के नाम मतदाता सूची से गायब होने का मामला भी दिन भर गरमाया रहा। कुल मिलाकर निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा आज मतदान के दिन हजारों लोगों को अपने मताधिकार से वंचित रहने के रूप में भुगतना पड़ा। खुद केन्द्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने इस पर रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि इसमें निर्वाचन कार्यों से जुड़े अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

कोठी बिकाऊ है
266 वर्ग गज में बनी डबल स्टोरी (दोनों साइड चौड़ी रोड), 6 BHK, ड्राइंग रूम, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर हर मंजिल पर (3 कार पार्किंग) कोठी बिकाऊ है।
गांधी कॉलोनी, निकट वैष्णो देवी मंदिर
सम्पर्क करें :-
पुण्डीर - 9997991965
9412494508
कुमार - 9758337229

कई रूट पर बस संचालन बंद होने से यात्रियों को रही परेशानी

मुजफ्फरनगर, 04 मई (बु.)। नगर निकाय चुनाव के गुरूवार को नगर निकाय चुनाव को लेकर घोषित सार्वजनिक अवकाश के चलते नगरीय क्षेत्र के अधिकांश बस स्टैंड पर यात्रियों की इस बीच आवाजाही कम रही। दूसरी ओर देहात के कई रूटों पर बस के संचालन बंद होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कई रास्तों में यात्री सड़कों पर बसों का इस बीच इंतजार करते दिखें। गुरूवार को यूपी में प्रथम चरण के होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए निर्विघ्न व शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। ऐसे में शहर के प्राइवेट बस स्टैंड दिनभर सूने रहे। वहीं दूसरी ओर गांव-देहात की ओर जाने वाली तमाम बसों का संचालन पूर्णत: बंद रहा। ऐसे में शामली रोड स्थित कई गांव के रास्तों पर यात्री बस के इंतजार में खड़े रहे। वहीं शहर के शामली बस स्टैंड, सहारनपुर बस स्टैंड, जानसठ बस स्टैंड पर दिनभर ऐसे में सन्नाटा पसरा रहा और सड़कों पर निकली अधिकांश बस खाली खड़ी रही। इसके अलावा नगर के रोडवेज बस स्टैंड पर इक्का-दुक्का यात्री ही दिखाई दिए। ऐसे में बाहर जाने वाले तमाम यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। इसके साथ बस न चलने की वजह से यात्री दूसरे साधन की तलाश करते दिखे। इसके अलावा अपने वाहनों से भी बड़ी संख्या में लोग इधर से उधर दौड़ते दिखाई दिए।

फांसी पर लटका मिला शव

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव निरमाना निवासी राखी की शादी 7 वर्ष पूर्व गांव नावला निवासी तुलसीदास उर्फ राजीव के साथ हुई थी। शादी के बाद राखी ने दो बच्चों को जन्म दिया। आज राखी का शव उसके कमरे में फांसी पर झूलता मिला।

केदारनाथ यात्रा रोकी गई

देहरादून। केदारनाथ के रास्ते में गुरुवार को ग्लेशियर टूट जाने की वजह से यात्रा को रोक देना पड़ा। यात्रा के पैदल मार्ग पर भैरव ग्लेशियर टूटा, इससे भैरव गदेरा और कुबेर गदेरा के बीच रास्ता बंद हो गया। लिहाजा यात्रा पर रोक लगा दी गई। इधर, प्रशासन ने चार धाम के तीर्थ यात्रियों को रुकने के लिए कहा है। केदारनाथ के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बारिश के साथ ही कुछ स्थानों पर बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में 9 मई तक चक्रवात बनने की आशंका जताई है।

दुकान बिकाऊ है
8 x 33 फीट (28 गज) साईज में बनी दुकान छत सहित बिकाऊ है।
हार्डवेयर, प्लाईवुड, पेन्ट्स और सेनेट्री आदि व्यवसायों के लिए उपयुक्त
लोहिया बाजार वाली गली,
बजरंग हार्डवेयर के सामने,
निकट मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर
सम्पर्क करें :- पियूष जैन
9837609309

सिविल लाइन क्षेत्र में दो शव मिलने से फैली सनसनी

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक युवक व वृद्ध का शव पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शवों को कुछ लोग जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र में घास मंडी मोड पर एक 45 वर्षीय युवक मृत अवस्था में पड़ा मिला। कुछ लोगों ने युवक को उठाकर उपचार के लिये जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया है। एक अन्य घटना में सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रेलवे रोड पर साईंधाम मंदिर के पास एक 60 वर्षीय व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला। उक्त व्यक्ति को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मजदूर पर गिरा छज्जा, अस्पताल में हुई मौत

मुजफ्फरनगर, 4 मई (बु.)। छपार थाना क्षेत्र के गांव बिजोपुरा में एक मकान का लिंटर तोड़ते हुए मजदूर पर छज्जा आ गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मजदूर को उपचार के लिये जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि छपार थाना क्षेत्र के गांव बिजोपुरा निवासी 32 वर्षीय मनवीर पुत्र ओमप्रकाश गांव में ही एक मकान का लेंटर तोड़ने में लगा हुआ था। बताया गया कि शाम के समय लेंटर तोड़ते समय छज्जे का लेंटर मनवीर के ऊपर जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने शव को शव गृह में रखवाकर मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कर्यवाही शुरू कर दी है।

कम मतदान से दल-दल में फंसा....

ऐसे में उसके समर्पित वोटर को छोड़ दें तो उसे कहीं से कोई बड़ा समर्थन नहीं मिला। दूसरी ओर हिंदू बहुल इलाकों में इस बार वोटर का ट्रेंड काफी अलग नजर आया। शहर के भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में कमल का फूल जमकर खिला। गांधी कॉलोनी और नई मंडी में उसका दबदबा कायम रहा। इसके अलावा शहर के हिंदू बहुल इलाकों में कमल जमकर खिला। ऐसे में जातीय आंकडों की बात करें तो वैश्य के साथ तमाम बिरादरियों में भाजपा का पक्का परंपरागत वोटर कमल खिलाता दिखाई दिया। इनमें ओबीसी के अलावा दलितों का एक वर्ग भी शामिल है। हिंदू वोटर में एक बड़ी तादाद में ऐसा वोटर है जिसे उसी तरह साइकिल हजम नहीं होती, जैसे मुस्लिम को कमल का फूल करंट मारता है। हालांकि इसमें कुछ अपवाद कुछ खास इलाकों में दिखाई दिए। शहर के कुछ बाहरी ऐसे इलाकों में जहां साइकिल प्रभाव डालती दिखाई दी वहीं नगर पालिका में पहली बार वोट करने वाले इलाकों में भी कमल और साइकिल में जबदरस्त टक्कर दिखाई दी। इनमें शहर से जुड़े आदर्श कॉलोनी, अंकित विहार, सुभाष नगर, लाल बाग, गांधी नगर, अलमासपुर आदि के घनी वोटिंग आबादी वाले इलाके शामिल हैं। शहर से पहली बार जुड़े अन्य इलाकों में भी वोटिंग का ट्रेंड जातीय आधार पर इसी तरह रहा। ऐसे में इस चुनाव में सबसे बड़ी परीक्षा इस बात पर थी कि जिस जाट समुदाय को केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर तमाम बड़े ओहदों पर भाजपा ने बिठाया है, वहां इन नेताओं का कितना असर है। जाट कॉलोनी में यह मिथक टूटता दिखाई दिया। इसके उलट ओबीसी, दलित और अन्य बिरादरियों में भाजपा का समर्थन अधिक नजर आया। ऐसे में भाजपा के लिए चिंता का विषय यही है कि उसके परंपरागत वोटर में कितनी सेंध लगी है। इसका प्रतिशत ही जीत हार के आंकड़े तय करेगा। भाजपा नेता जीत को लेकर आश्वस्त दिखाने की कोशिश भले कर रहे हों, लेकिन आज के वोटिंग ट्रेंड ने उनकी धड़कनें बढ़ा रखी हैं। ऐसे में राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि चुनाव फंसा हुआ है और इसका पासा किसी भी ओर पलट सकता है। इसके चलते तेरह मई को किसका तीन बनेगा, इसे लेकर चर्चाएं अभी चलती रहेंगी। पर जीत हार का आंकड़ा इस बार काफी कम रहे तो ताज्जुब नहीं होगा।

क्या आम, क्या खास... सभी में वोटिंग के लिए जोश नजर आया। इस दौरान प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी में डीएम खुद जुटे दिखाई दिये।